सतना
25 अप्रैल 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

शुभमन ने बीच की...

@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान को सता रहा हमले का डर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पूरे भारत में मांग उठ रही है कि सरकार आतंकवाद और इसके आका पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा एक्शन ले। पीएम मोदी ने भी साफ कह दिया है कि जिन्होंने ये हमला किया है, उन आतंकियों और साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। पीएम मोदी के ऐसे बयान के बाद पाकिस्तान की सरकार को जंग का खौफ सताने लगा है। ऐसे में पाकिस्तान ने अपनी सेना को हाई अलर्ट रहने को कहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी

तनाव के बीच जानकारी सामने आई है कि पाकिस्तान की आर्मी ने लाइन ऑफ कंट्रोल (स्र्ष्ष्ट) पर अपनी तरफ जवानों की संख्या और तादाद बढ़ा दी है। पाकिस्तान ने अपने डिफेंस मजबूत किए हैं। पाकिस्तान को पूरा डर सता रहा है कि भारत कभी भी उस पर बड़ी कार्रवाई कर सकता है। ऐसे में वह बचाव की तैयारी में लगा हुआ है। पाकिस्तान ने अपने जवानों को बंकर के अंदर रह कर ही निगरानी करने का आदेश दिया है। पाकिस्तान को स्र्ष्ष्ट के साथ साथ इंटरनेशनल बॉर्डर पर भी डर सता रहा है। पाकिस्तानी आर्मी की 10 ष्श्हद्ब जिसका हेडक्वार्टर रावलपिंडी में है, उसको भी पाकिस्तानी आर्मी चीफ ने अलर्ट रहने के लिए कहा है। इसके अलावा इंटरनेशनल बॉर्डर के ठीक सामने सेना की सियालकोट की डिवीजन को भी अलर्ट रहने के लिए कहा गया है। इसका हेडक्वाटर गुजरांवाला में है। भारत की कड़ी कार्रवाई और सिंधु नदी जल समझौते को निलंबित करने के बाद गुरुवार को पाकिस्तान की सरकार ने बड़ी बैठक की है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि पानी 24 करोड़ लोगों की लाइफलाइन है।

'जनरल आसिम मुनीर ने करवाया पहलगाम हमला'

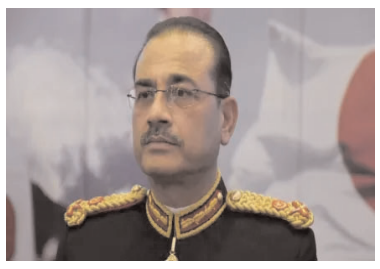

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व सैनिक आदिल रजा ने कहा है कि पहलगाम हमला पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने करवाया है। आदिल रजा ने कहा है कि पहलगाम में

आतंकी हमले का आदेश पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने दिया था। बता दें कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पहले ही पाकिस्तान सवालों के घेरे में है। पहलगाम आतंकी हमले में कुल 26 लोगों की मौत हो गई थी। आतंकवादियों ने पहलगाम में छुट्टी मनाने गए पर्यटकों को उनका धर्म पूछकर गोली मारी थी। घटना के बाद हुई शुरुआती जांच में पता चला था कि आतंकियों के तार पाकिस्तान से जुड़े हैं। आदिल रजा ने एक बहुत बड़ा दावा करते हुए एक्स पर लिखा, %पाकिस्तानी खुफिया विभाग के उच्च पदस्थ सूत्रों से अब यह पुष्टि हो गई है कि पहलगाम आतंकवादी हमला जनरल आसिम मुनीर के आदेश पर किया गया था, जबकि पूरा पाकिस्तान इस दुस्साहस से अनभिज्ञ है और उसे इस बारे में कुछ नहीं पता।% रजा ने एक अन्य ट्वीट में लिखा, %पहलगाम आतंकी हमला फासीवादी असीम मुनीर और सेना में उसके साथियों द्वारा अपने निजी हितों की पूर्ति के लिए किया गया एक व्यक्तिगत कृत्य था। इसलिए, सैन्य कब्जे वाले पाकिस्तान को किसी एक दुष्ट तत्व की कार्रवाइयों के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। इस बीच पाकिस्तान ने गुरुवार को भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस और वाघा बॉर्डर को बंद कर दिया। पाकिस्तान ने साथ ही भारत के साथ सभी प्रकार के व्यापार पर रोक लगा दी और कहा कि सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान को मिलने वाले पानी को रोकने या परिवर्तित करने की कोई भी कोशिश जंग की कार्रवाई मानी जाएगी।

पुणे के 500 से ज्यादा टूरिस्ट जम्मू-कश्मीर में फंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे के 500 से ज्यादा पर्यटक इस समय जम्मू-कश्मीर में हैं और पहलगाम आतंकी हमले के बाद वापस लौटने वालों के लिए विशेष उड़ानों की व्यवस्था करने के प्रयास किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन ने बुधवार शाम यह जानकारी दी। यहां एक ऊर्जा फर्म में काम करने वाले गिरीश नाइकवाडी ने कहा कि वह 14 लोगों के ग्रुप के साथ जम्मू-कश्मीर गए थे लेकिन अब उन्होंने अपनी यात्रा बीच में ही समाप्त करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, ''हम अपनी यात्रा जारी रखने की स्थिति में नहीं हैं। हम जल्द से जल्द पुणे लौटना चाहते हैं खास तौर पर इसलिए क्योंकि हमारे साथ छोटे बच्चे हैं।'' नाइकवाडी ने बताया कि जब हमला हुआ, तब उनका ग्रुप श्रीनगर से लगभग 50 किलोमीटर दूर गुलमर्ग में था। उन्होंने कहा, ''हम किसी तरह आज श्रीनगर पहुंच गए। शुरुआती योजना के तहत हमें 25 अप्रैल को अमृतसर जाना था लेकिन इस घटना के बाद ग्रुप में से किसी का भी यात्रा पर जाने का मन नहीं कर रहा है।'' एक अन्य पर्यटक हर्षल पंडित ने कहा कि वह और उनका परिवार गुरुवार को पुणे लौटेंगे। पुणे में नशा मुक्ति केंद्र संचालित करने वाले पंडित ने कहा, ''हम अभी श्रीनगर में हैं और स्थिति तनावपूर्ण है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है। हमारी आज पहलगाम जाने की योजना थी, लेकिन घटना के बाद हमें इसे रद्द करना पड़ा।''

अब पाकिस्तान की खैर नहीं!

भारत ने अमेरिका, ब्रिटेन, चीन समेत 20 देशों के राजनयिकों को आतंकी हमले की जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत का सख्त रुख देखने को मिल रहा है। भारत ने 20 देशों के राजनयिकों को पहलगाम आतंकी हमले की जानकारी दी है। जिन दिशों के राजनयिकों को जानकारी दी गई है उनमें अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, इटली, कतर, जापान, चीन, रूस, जर्मनी, फ्रांस के शीर्ष राजनयिक शामिल हैं। विदेश सचिव ने राजदूतों को इस बारे में जानकारी दी है।

भारत ने उठाए हैं सख्त कदम: पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के एक दिन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक हुई थी। बैठक में हमले के प्रति भारत के जवाबी कदमों को अंतिम रूप दिया गया था। सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखने का निर्देश दिया गया है। भारत ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए छह दशक से ज्यादा पुरानी सिंधु जल संधि स्थगित कर दी है। अटारी चौकी को बंद किए जाने समेत

कई अन्य फैसले भी लिए गए हैं।

बौखलाया पाकिस्तान : सिंधु नदी जल समझौता निलंबित होने के बाद पाकिस्तान की सरकार ने भी बड़ी बैठक की है। भारत की ओर से उठाए गए सख्त कदमों के बाद पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बौखला गए हैं। शरीफ ने राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक में कहा कि भारत की ओर से पानी रोकना जंग की तरह है।

जौनपुर के थाना प्रभारी ने पट्टे से की युवक की पिटाई

जौनपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले से एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में पुलिस को एक युवक के साथ बर्बरता करते हुए देखा जा सकता है। दरअसल पूरा मामला मुंगरा बादशाहपुरा थाने का है। दरअसल इस वीडियो में दिख रहा पुलिस अधिकारी मुंगरा बादशाहपुर के थाना प्रभारी

विनोद मिश्रा है, जो एक युवक को जानवरों की तरह खंभे में सटाकर पट्टे से पीट रहे हैं। थाना प्रभारी के बर्बरता का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। आरोप है कि उक्त युवक द्वारा किसी काम को करवाने के लिए विनोद मिश्रा को पैसा दिया गया था। लेकिन जब काम नहीं हुआ जब उस युवक ने साहब से पैसे मांगे तो उसकी पुलिस ने पिटाई शुरू कर दी। जानकारी के लिए बता दें कि उक्त थाना प्रभारी के खिलाफ पहले भी इस तरह का मामला सामने आ चुका है। दरअसल बदलापुर में जब थाना प्रभारी की पोस्टिंग थी, तो उस समय उनके खिलाफ पैसे की उगाही की शिकायत की पुलिस अधीक्षक से की गई थी। बता दें कि इस मामले के सामने आने के बाद मुंगरा बादशाहपुर में भी कई लोगों द्वारा थाना प्रभारी पर लोगों से पैसे लेने का आरोप लगाया जा चुका है। फिलहाल बेरहमी से युवक पट्टे से की जा रही पिटाई का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

दिल्ली के चांदनी चौक के मशहूर मार्केट में लगी भीषण आग

मध्यप्रदेश के भोपाल में बीएचईएल में लगी भीषण आग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के चांदनी चौक इलाके के भागीरथ पैलेस मार्केट में आग लगने की घटना सामने आई। आग बुझाने के लिए मौके पर दमकल की 9 गाड़ियां पहुंची थीं। बताया जा रहा है कि भगीरथ प्लेस के 1860 नंबर दुकान में आग लगी थी। सेकेंड फ्लोर डेकोरेशन की दुकान में गुरुवार दोपहर 1़50 बजे आग लगी। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आग बुझा दी गई है। भागीरथ पैलेस मार्केट में इससे पहले भी भीषण आग लगने की घटना सामने आई है, जिससे भारी नुकसान हुआ। यहां के अधिकांश व्यापारी इलेक्ट्रिकल सामान बेचते हैं और संकरी गलियों और पुराने ढांचे के कारण आग बुझाने में कठिनाई होती है।

इससे पहले नवंबर 2022 में यहां आग लगने की घटना हुई थी। एक दुकान में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई थी, जो तेजी से अन्य दुकानों में फैल गई। इस भीषण आग की घटना में लगभग 100 दुकानें जलकर खाक हो गई थीं। आग पर काबू पाने के लिए 40 दमकल की गाड़ियां और 200 से अधिक दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे थे। नवंबर 2022 में ही एक बार फिर से इस मशहूर मार्केट में

आग लगने की घटना सामने आई थी। इस आग की घटना में लगभग 70 से 80 दमकल गाड़ियां मौके पर थीं और आग पर काबू पाया गया।

वहीं एक अन्य खबर में, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के भोपाल स्थित कारखाने में गुरुवार को आग लग गई। हालांकि, इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया कि बिजली संयंत्र के उपकरण बनाने वाली पीएसयू के कारखाने में आग दोपहर बाद लगी। भोपाल नगर निगम (बीएमसी) के अग्निशमन अधिकारी सौरभ पटेल ने बताया कि सूचना मिलने पर हमने आग पर काबू पाने के लिए दमकल गाड़ियां मौके पर भेजीं और पानी की गाड़ियां भेजी जा रही हैं।÷

पाकिस्तान का पूरा नामो-निशान मिटा दो

पहलगाम घटना के बाद विश्व हिंदू परिषद ने उठाई मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार यानी 22 अप्रैल को जो घटना हुई उसके बाद से लोगों में गुस्सा देखने को मिल रहा है। पहगाम के एक पर्यटन स्थल पर कुछ आतंकी पहुंचे और वहां पर घूमने आए लोगों पर गोलियां चला दी। उन्होंने वहां घूमने पहुंचे लोगों से पहले उनका धर्म पूछा और उसके बाद उन पर गोलियां चलाकर उनकी हत्या कर दी। इस घटना में 26 लोगों की जान चली गई। इस घटना के बाद से लोगों की मांग सिर्फ यही है कि हिंदुस्तान पाकिस्तान से इस घटना का बदला ले। इसके लिए विश्व हिंदू परिषद और उनके सहयोगी संगठनों ने नागपुर में उग्र पदर्शन किया।

पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों पर जो कायराना हमला किया उसके बाद पूरे देश में आक्रोश का माहौल है। नागपुर के बडकस चौक पर विश्व हिंदू परिषद, ऋस्स और बजरंग दल जैसे तमाम संगठनों के कार्यकर्ताओं ने एक उग्र पदर्शन किया। सभी लोगों की सिर्फ एक ही मांग है कि इस भारत इस हमले का बदला पाकिस्तान से ले और उसे ऐसा सबक सिखाए कि पाकिस्तान दोबारा ऐसा कुछ करने की हिम्मत न करे। उग्र प्रदर्शन करते हुए विश्व हिंदू परिषद के नागपुर महानगर के प्रमुख अमोल ठाकरे ने कहा, %ये जो घटना हुई है उसका किन शब्दों में हम विरोध करें, वो शब्द हमारे पास नहीं हैं।

कश्मीर की घाटियों में इससे पहले भी घटनाएं हुई हैं, अमरनाथ की यात्रियों पर भी इन्होंने गोलियां चलाई थी मगर इन्होंने कल धर्म पूछकर गोलियां मारी है। अगर ये धर्म पूछकर गोलियां चलाते हैं तो हिंदू शांत नहीं बैठेगा, ईंट का जवाब पत्थर से देने के लिए हम तैयार हैं।% उन्होंने आगे कहा, %हम देश के प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और आदरणीय राष्ट्रपति से यह मांग करते हैं कि आप पाकिस्तान के साथ एक बार कुछ ऐसा करो कि पाकिस्तान की 70 पीढ़ियां याद करें और भारत में कहीं पर भी ऐसी आतंकी घटना करने से पहले 100 बार सोचें। जैसे 2 बार सर्जिटल स्ट्राइक की थी, अब तीसरी बार में उनका पूरा नक्शा नाबूद कर दो। विश्व के पटल से पाकिस्तान का पूरा नामों निशान मिटा दो।%

'पहलगाम घटना से साबित हुआ कि आतंकवाद का धर्म होता है'

ये भारत राष्ट्र को चुनौती- अविमुक्तेश्वरानंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुई आतंकी घटना और निर्दोष हिंदुओं को पहचान कर के मारे जाने को लेकर पूरे देश में उबाल है। देश की जनता सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रही है। इस बीच ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले को लेकर बड़ा बयान जारी किया है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने गुरुवार को कहा है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने साबित कर दिया है कि आतंकवाद का धर्म होता है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर कहा- ÷ये लोगों की हत्या ही नहीं है बल्कि यह भारत राष्ट्र को चुनौती है। यह हम सब 80-90 करोड़ हिन्दुओं को चुनौती है। और ये पूरे विश्व को चुनौती है कि देखो कि हम निशाना बनाकर

तुम्हारा कैसे अपमान करते हैं। यह पूरे देश का अपमान है।'' स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने पहलगाम की घटना की निंदा करते हुए कहा कि ये घटना सामान्य नहीं है। हमारे देश के नेता कहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। अब नेता बोलने से पहले सोचें, पहलगाम की घटना ने साबित कर दिया है कि आतंकवाद का धर्म होता है। तभी लोगों का धर्म पूछकर उन्हें मारा गया, धर्म विशेष का होने के कारण उनकी हत्या हुई। ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के दौरान जिन लोगों ने अपनी जान बचाने के लिए कहा कि वे हिंदू नहीं हैं उनके कपड़े उतरवाकर चेक किया गया और उन्हें गोली मार दी गई। इस घटना का एक साफ मतलब है और ये साबित हो गया है कि आतंकवाद का धर्म होता है।

पहलगाम आतंकी हमला: दो जिगरी दोस्तों का दुखद अंत

पुणे (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वालों में पुणे के दो जिगरी दोस्त भी शामिल थे। मंगलवार को पहलगाम के पास बैसरन में हुए घातक आतंकी हमले में महाराष्ट्र के छह पर्यटकों में कौस्तुभ गणबोटे और उनके दोस्त संतोष जगदाले भी मारे गए। करीब 50 साल के दोनों दोस्त पहली बार कश्मीर की अपनी यात्रा के लिए उत्साहित थे। उन्हें नहीं पता था कि यह यात्रा उनके परिवारों के लिए जीवन भर के दुख में बदल जाएगी। गणबोटे के करीबी दोस्तों ने कहा कि वह पहली बार घाटी घूमने गए थे। वह वास्तव में बहुत कम ही पुणे से बाहर जाते थे। अपने %फरसाण% स्नैक्स के कारोबार को बढ़ाने के लिए जीवन भर कड़ी मेहनत करने के बाद गणबोटे ने कश्मीर जाकर घूमने का फैसला किया। कौस्तुभ गणबोटे अपनी पत्नी संगीता और संतोष जगदाले, पत्नी प्रगति और उनकी बेटी असावरी के साथ कश्मीर घूमने गए थे। अपनी पूरी जिंदगी, वे अपने व्यवसाय को बढ़ाने में व्यस्त रहे। यह पहली बार था जब गणबोटे ने पत्नी के साथ शहर से बाहर यात्रा करने का फैसला किया था। उन्होंने अपने करीबी दोस्त संतोष और उनके परिवार के साथ यात्रा की योजना बनाई। गणबोटे के बचपन के दोस्त सुनील मोरे ने कहा कि आठ दिन पहले ही उन्होंने मुझे कश्मीर योजना के बारे में बताया था। वे बहुत उत्साहित थे।

इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने पीएम मोदी से की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 भारतीयों की मौत हुई है। इस हमले के बाद से ही पूरे देश में आक्रोश का माहौल है और सबको इंतजार है कि कब भारत सरकार कोई बड़ा एक्शन

● कई देशों के प्रमुखों ने भी किया फोन

लेगी। देश के अलावा दुनियाभर के देशों में इसे लेकर नाराजगी है। इस बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आज पीएम नरेंद्र मोदी को फोन किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय

धरती पर हुए आतंकी हमले की बेंजामिन नेतन्याहू ने निंदा की। उन्होंने बारत के लोगों और पीड़ितों के परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त की। इस दौरान बेंजामिन नेतन्याहू से पीएम मोदी ने आतंकी हमले की बर्बर प्रकृति को साझा किया और अपराधियों और उनके समर्थकों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए भारत के दृढ़ संकल्प को दोहराया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला ने भी पीएम नरेंद्र मोदी को पोन किया और इस भयानक आतंकी हमले की निंदा की। उन्होंने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को उसके सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में खारिज किया जाना चाहिए और इसका कोई औचित्य नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री ने किंग अब्दुल्ला (द्वितीय) को उनके एकजुटता के संदेश के लिए धन्यवाद दिया और इस जघन्य हमले के पीछे अपराधियों और लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की भारत के लोगों की भावनाओं को साझा किया।

बता दें कि इससे पहले मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीम रामगोलम, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी एल्बनीज, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी पीएम नरेंद्र मोदी को कॉल कर चुके हैं और इस हमले में मारे गए लोगों और उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त कर चुके हैं। बता दें कि भारत सरकार द्वारा आज सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है, जिसमें सभी दलों के नेता शामिल होने के लिए पहुंच चुके हैं।

स्मार्ट नेट मीटर टेस्टिंग शुल्क हुआ कम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। म. प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी की एनएबीएल मान्यता प्राप्त टेस्टिंग लैब में विभिन्न विद्युत मीटर्स एवं अन्य उपकरणों की टेस्टिंग के लिए नए शुल्क निर्धारित किए गए हैं। नए शुल्क वर्तमान में केन्द्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई) द्वारा निर्धारित टेस्टिंग शुल्क के समान हैं। मध्य क्षेत्र में पीएम सूर्य घर योजना अंतर्गत सोलर रूफटॉप को बढ़ावा देने के लिए कंपनी द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि सोलर संयंत्र में लगने वाले नेट स्मार्ट मीटर पर केवल स्मार्ट मीटर टेस्टिंग हेतु लगने वाले शुल्क एवं स्मार्ट नेट मीटर टेस्टिंग के लिये लगने वाले शुल्क का अंतर ही लिया जाएगा। इसके लिए सिंगल फेस स्मार्ट नेट मीटर पर लगने वाला शुल्क रुपए 1397 तथा थ्री फेस स्मार्ट नेट मीटर पर लगने वाला शुल्क 4190 रुपये ही लिया जाएगा। सिंगल फेज स्मार्ट नेट मीटर टेस्टिंग के लिए पूर्व में दर 1680 रुपये प्रति मीटर थी, जो अब घटकर 1397 रुपये हो गई है। मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा सिंगल फेज पर विद्युत कनेक्शन के लिए 5 किलोवाट तक भार की अनुमति दी गई है एवं रूफटॉप घरेलू सोलर संयंत्र अधिकतर 5 किलोवाट तक के होते हैं, जिससे अधिकतर उपभोक्ताओं के टेस्टिंग चार्जेस में कमी आएगी। कंपनी यह भी निर्णय लिया है कि जिन सोलर वेंडर द्वारा सोलर संयंत्र स्थापना के लिये 21 अप्रैल 2025 से पहले मॉडल एग्रीमेंट पोर्टल पर अपलोड कर दिया है, उन सोलर संयंत्रों पर लगने वाले नेट स्मार्ट मीटर टेस्टिंग शुल्क पूर्व अनुसार 1680 रुपये ही रहेंगेद्य

'संबल' मामले में राहत राशि नहीं दी, महिलाकर्मी सस्पेंड

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संबल योजना के तहत लोगों को राहत राशि नहीं देने के मामले में मंगलवार को महिलाकर्मी ज्योति मेश्राम को सस्पेंड कर दिया गया। अपर आयुक्त रणवीर सिंह ने बताया कि ज्योति मेश्राम के पास 11 से ज्यादा मामले लंबित थे। इससे पहले सोमवार को संबल योजना के बाबू विकास माथुर को सस्पेंड किया गया था। लोगों के कुल 77 मामले अटके हुए थे। इनमें से 25 मामलों को स्वीकृत कर दिए गए। इसके साथ ही 18 और प्रकरणों की प्रक्रिया पूरी कर दी गई है।

गार्बेज फ्री सिटी सर्वे-रहवासी और व्यावसायिक इलाकों में देखी व्यवस्था

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 के लिए भोपाल में गार्बेज फ्री सिटी (जीएफसी) का सर्वे कर रही टीम ने मंगलवार को रहवासी, व्यवसायिक के साथ मिलेजुले इलाकों में सर्वे किया। इस दौरान सेंट्रल वर्ज पर भी फोकस रहा। टीम ने वार्ड 28 और 24 के रहवासी और व्यवसायिक इलाकों में सर्वे शुरू किया। टीमें जोन-9 और जोन-12 में भी गईं। यह सभी सघन आबादी वाले इलाके हैं। यहां पर मिली जुली आबादी के साथ ही व्यावसायिक गतिविधियां साथ में संचालित होती हैं। यहां पर टीम ने रोजाना की सफाई और डस्टबिन आदि को देखा। इतना ही नहीं यहां पर व्यापारी और रहवासी कचरा का प्रबंधन किस तरह कर रहे हैं उसकी भी फोटो लीं।

5 नए आयुर्वेदिक कॉलेजों में इसी साल से पढ़ाई शुरू होगी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के नए बने जिलों में भी आयुष कार्यालय खोले जाएंगे। प्रदेश में 5 नए आयुर्वेद कॉलेज बनकर तैयार हो गए हैं, इनमें इसी साल से पढ़ाई शुरू होगी। राज्य सरकार आयुर्वेदिक एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के जरिए प्रदेश में मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने जा रही है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने आयुष विभाग की समीक्षा करते हुए यह निर्देश दिए हैं। बैठक में बताया गया प्रदेश में 543 से अधिक आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, 36 होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी, 14 यूनानी चिकित्सा अधिकारी की पोस्टिंग की गई है।

सैनिकों के कल्याण प्रयासों में सहयोग राष्ट्र सेवा का संकल्प : राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि तेरा वैभव अमर रहे माँ, हम दिन चार रहे न रहें, इस भावना के साथ सीमाओं की रक्षा के लिए त्याग और बलिदान देने वाले सैनिकों के कल्याण प्रयासों में सहयोग राष्ट्र सेवा का संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 55 जिलों में से 44 जिलों में लक्ष्य से अधिक राशि का समामेलित निधि में संग्रहण हर्ष और गर्व की बात है। यह उपलब्धि, आम नागरिकों के सेना के प्रति परस्पर प्रेम और समादर का प्रतीक है। राज्यपाल श्री पटेल समामेलित विशेष निधि में एक लाख रुपए से अधिक राशि का दान देने वाले नागरिकों, संस्थाओं और लक्ष्य से अधिक राशि संकलित करने वाले संभागीय और जिला अधिकारियों के अभिनंदन कार्यक्रम को राजभवन में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कार्यक्रम में संभाग आयुक्त नर्मदापुरम श्री कृष्ण गोपाल तिवारी, कलेक्टर नीमच श्री हिमांशु चन्द्रा, कलेक्टर अलीराजपुर डॉ. अभय अरविंद बेडेकर, कलेक्टर हरदा श्री सिद्धार्थ जैन, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी दमोह, सतना, सिंगरौली और 26 व्यक्तिगत एवं संस्थागत दान दाताओं को प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सैनिकों की राष्ट्र भक्ति बलिदान का मान और परिजनों के सम्मान के लिए आगे आए सभी दान दाताओं

के प्रति राष्ट्र और समाज आभारी है। सैनिक कल्याण निधि में योगदान सबके साथ, विश्वास और प्रयासों से विकास की दिशा में मज़बूत पहल है।

उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की है कि आगामी वर्ष में हर जिला निधि के लिए लक्ष्य से अधिक राशि का संग्रहण करेगा।

राज्यपाल श्री पटेल ने अभिनंदन कार्यक्रम में उपस्थितों वीरमाता श्रीमती निर्माण शर्मा सहयोग राशि 3 लाख एक रुपए, जनरल मैनेजर स्थानीय मुख्य कार्यालय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया भोपाल श्री शरत चन्द्र पाण्डा सहयोग राशि 2 लाख 32 हजार रुपए, मध्यप्रदेश विक्रय कर तृतीय वर्ग (कार्यकारी) गृह निर्माण सहकारी संस्था इंदौर के सचिव श्री आर. बी. शर्मा एवं श्री जगदीप नारायण चौबे सहयोग राशि 2 लाख रुपए, पटेल मोटर्स प्रायवेट लिमिटेड इंदौर के श्री वल्लभ भाई पटेल एवं श्री मनीष सिंह मंगरोलिया सहयोग राशि 1 लाख 51 हजार रुपए, प्रिन्म जोनसन लिमिटेड सतना के श्री मनीष कुमार सिन्हा एवं श्री देवेन्द्र मिश्रा सहयोग राशि 1 लाख 11 हजार रुपए, मुख्य प्रबंध निदेशक सार्थक हास्पिटल सतना डॉ. सुनील अग्रवाल एवं डॉ. श्रीमती रश्मि अग्रवाल सहयोग राशि 1 लाख 11 हजार रुपए, क्षेत्रीय प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक सागर श्री सुनील कुमार सिंह सहयोग राशि 1 लाख 6 हजार 100 रुपए, इंदौर की श्रीमती रीता मित्रा एवं श्रीमती सुतप्पा मुकर्जी सहयोग राशि 1 लाख 5 हजार रुपए, मैहर के श्री सूर्यप्रकाश चौरसिया सहयोग राशि 1 लाख 5 हजार रुपए, ऑनरेरी सब लेफ्टीनेन्ट सेवा निवृत अनीस मोहम्मद एवं श्री बलराम मिश्रा टीकमगढ सहयोग राशि 1 लाख 521 रुपए, टेक्नो डेवलपर्स, नीमच के श्री विनोद कुमार त्रिपाठी एवं श्री आमोद कुमार त्रिपाठी सहयोग राशि एक लाख रुपए, ग्रीनको प्रा. लि. सिद्धार्थ ग्रुप नीमच के श्री अमित कुमार सोनी सहयोग राशि एक लाख रुपए, अध्यक्ष एवं यूनिट हेड जेपी थर्मल पॉवर प्लान्ट बीना जिला सागर के मेजर जनरल एस. के. पाणिग्रहि सेवा निवृत सहयोग राशि एक लाख रुपए, जनरल मैनेजर एच.आर. भारत पैट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड बीना रिफाइनरी जिला सागर श्री शिरीष चन्द्रकर एवं श्री फाईन चर्टजी सहयोग राशि एक लाख रुपए, उज्जैन की श्रीमती सुनीता जैन एवं श्रीमती रेणु मेहता सहयोग राशि एक लाख रुपए, अध्यक्ष मध्यप्रदेश भूतपूर्व सैनिक कल्याण समिति, भोपाल सहयोग राशि एक करोड़ रुपए, इंदौर की श्रीमती निर्मला विद्या प्रसाद वर्मा की ओर से श्री विवेक प्रकाश वर्मा एवं श्रीमती अंजली वर्मा सहयोग राशि एक लाख रुपए, नीमच की श्रीमती प्रेमलता चोपड़ा की ओर से श्री नवरत्न चोपडा एवं श्री आयुष कोठारी सहयोग राशि एक लाख रुपए, को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान किए।

राज्य में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने पर हुआ विचार-विमर्श

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश कृषि उद्योग विकास निगम की 199वीं बोर्ड बैठक का आयोजन उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि निगम का प्रमुख उद्देश्य राज्य में कृषि आधारित उद्योगों को सशक्त करना और कृषि उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है।

मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार क्षेत्रीय स्तर तक उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन कर रही है। राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाएं कृषि आधारित उद्योगों को गति प्रदान कर रही

हैं, और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि इनका लाभ अधिक से अधिक कृषि उद्यमियों तक पहुँचे।

मंत्री श्री कुशवाह ने निगम के प्रबंधन को निर्देशित किया कि वे कृषि उद्यमियों को हरसंभव तकनीकी और प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराएँ। उन्होंने यह भी कहा कि निगम की योजनाएं जिला स्तर पर निवेश आकर्षित करने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के लिए प्रभावी रूप से क्रियान्वित की जाएं।

बैठक में कृषि उद्योग की वर्तमान स्थिति और चुनौतियों, जिला स्तर पर निवेश प्रोत्साहन और निगम द्वारा संचालित योजनाओं एवं परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।

उपभोक्ताओं को निर्धारित समय सीमा में उपलध कराएं नए कनेशन : एमडी सिंघल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के गुना, अशोकनगर एवं शिवपुरी के अभियंताओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम गुना के वृत्त कार्यालय में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने कहा कि उपभोक्ताओं को निर्धारित समय सीमा में नए कनेक्शन उपलब्ध कराएं। विद्युत प्रणाली में ट्रिपिंग की घटनाओं का विश्लेषण कर तकनीकी रूप से प्रभावी रखरखाव करें। ट्रिपिंग कम से कम होना चाहिए।

गर्मी के दौरान ज्यादातर उपकेन्द्रों में अर्थिंग की समस्या आती है, इसलिए वहां अर्थिंग को प्रभावी बनाने के लिए पानी अवश्य डलवाएं। उन्होंने सकल तकनीकी एवं वाणिज्यिक हानियों को कम करने के लिए राजस्व वसूली के साथ-साथ बिजली चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने की बात भी कही। उपभोक्ता सेवाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा उपभोक्ता संतुष्टि के लिए निर्धारित रूप से कार्य करें। विद्युत लाइनों पर व्यस्त मार्गो एवं बाजारों में गार्डिंग जरूर लगाएं ताकि विद्युत दुर्घटनाओं से बचा जा सके। प्रशिक्षण सत्र में नए कनेक्शन के लिए नए नियमों तथा अधोसंरचना विकास के लिए नए प्रावधानों की जानकारी दी गई। अभियंताओं से अपेक्षा की गई कि वे सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से नए कनेक्शन निर्धारित समय सीमा में दें। सदैव तय अवधि में उपभोक्ता की मांग पूरी करने के लिए तत्पर रहें। उन्होंने कहा कि अब उपभोक्ताओं को नए कनेक्शन के लिए एमपी ऑनलाइन व कॉमन सर्विस सेंटर द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के विभिन्न केन्द्रों के माध्यम से सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। ग्रामीणों के लिए 5 रुपये में घरेलू तथा कृषि पंप कनेक्शन देने का बड़े पैमाने पर अभियान चलाने का प्रशिक्षण भी दिया। प्रबंध संचालक ने कहा कि बकायादारों के बिजली कनेक्शन को प्रभावी रूप से विच्छेदित करें। उन्होंने कहा कि यदि कोई उपभोक्ता विच्छेदन उपरांत कनेक्शन अनधिकृत रूप से जोड़ लेता है तो उनके विरुद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धाराओं के अंतर्गत कार्यवाही करें। धारा 135 व 126 के केस बनाने के दौरान पंचनामा पर हस्ताक्षर के लिए स्वतंत्र गवाह जरूर रखें, ताकि बाद में कोई संदेह न रहे।

एम्स के डॉक्टर की सर्जरी टेक्नीक का वॉशिंगटन में प्रजेंटेशन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल एम्स में बड़ी संख्या में ऐसे मरीज आते हैं, जो चोट लगने या पैरालाइज्ड होने के चलते शोल्डर (कंधे), एल्बो (कोहनी), हाथ और कलाई की ताकत खो देते हैं। जिसमें कई ऐसे युवा भी शामिल हैं, जो दो पहिया वाहन से कंधे के बल गिरे और उनके हाथ व कलाई ने काम करना बंद कर दिया। घर की जिम्मेदारियों के बीच इस तरह की स्थिति एक युवक को अंदर से तोड़ देती है। एम्स के एक्सपर्ट्स ने इस समस्या का हल खोज निकाला है। उन्होंने ऐसे मरीजों के सफल इलाज के लिए टेंडन ट्रांसफर फॉर रिस्ट एंड फिंगर्स ड्राप इन ब्रेकियल प्लेक्सस इंजरी विधि खोजी है। इस विधि से मरीज की सर्जरी करने पर चोटिल और पैरालाइज्ड कंधे व हाथ में फिर जान आ जाएगी। एम्स के बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. दीपक कृष्णा ने अमेरिका

के वॉशिंगटन डीसी में आयोजित इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ सोसायटीज ऑफ सर्जरी ऑफ दी हैंड कार्यशाला में इसका प्रजेंटेशन दिया। इस विधि की खोज के लिए कार्यशाला में उन्हें सम्मानित भी किया गया। डॉ. दीपक कृष्णा ने बताया कि इस विधि को टेंडन ट्रांसफर फॉर रिस्ट एंड फिंगर्स ड्राप इन ब्रेकियल प्लेक्सस इंजरी नाम दिया गया है। इसके नाम के अनुरूप इस विधि में चोटिल हिस्से के डैमेज हो चुके टेंडन (ऐसे ऊतक जो मांसपेशियों को हड्डियों से जोड़ते हैं) को शरीर में मौजूद दूसरे स्वस्थ टेंडन से बदल दिया जाता है।

आरक्षक भर्ती चयन के लिए लगाई थी फर्जी मार्कशीट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सातवीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) में आरक्षक बैंड के रिक्त पदों पर 22 सितंबर 2017 को हुई भर्ती के दौरान हाई स्कूल की नकली मार्कशीट लगाने वाले आकाश पंसोरिया को अदालत ने सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश पंकज कुमार जैन की अदालत ने मंगलवार को पंसोरिया को 5 साल के सश्रम कारावास और ?1,400 के अर्थदंड से दंडित किया।अभियोजन के अनुसार, आरोपी ने राज्य ओपन स्कूल के नाम से जो मार्कशीट प्रस्तुत की थी, वह पुलिस दस्तावेज सत्यापन के दौरान संदिग्ध पाई गई। सत्यापन के लिए जब दस्तावेज मूल बोर्ड को भेजे गए, तो राज्य ओपन स्कूल ने उसे फर्जी घोषित कर दिया। इस खुलासे के बाद तत्कालीन सेनानी, सातवीं वाहिनी एसएएफ, आशुतोष प्रताप सिंह ने 29 सितंबर 2017 को पुलिस अधीक्षक (दक्षिण), भोपाल को लिखित शिकायत दी। थाना जहांगीराबाद ने 14 जनवरी 2018 को आरोपी के खिलाफ की धाराएं 420 (धोखाधड़ी), 467 (जालसाजी), 468 (धोखाधड़ी के इरादे से जालसाजी) और 471 (जाली दस्तावेज़ का प्रयोग) के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की और विवेचना पूर्ण कर चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया। सुनवाई के दौरान, अभियोजन पक्ष ने 10 गवाहों और दस्तावेजी साक्ष्यों को प्रस्तुत किया, जिन्हें अदालत ने विश्वसनीय माना और दोष सिद्ध किया।

स्मार्ट इरिगेशन इनोवेशन को विभागीय कार्ययोजना में शामिल करें-मंत्री सिलावट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि विभाग की सिंचाई कार्ययोजना में स्मार्ट इरिगेशन इनोवेशन को प्राथमिकता से सम्मिलित करें। यह भू-जल संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। अटल भू-जल योजना की गाइड लाइन अनुसार सिंचाई स्त्रोतों से जल दोहन की मात्रा नियंत्रित करने और फसलों की अच्छी उत्पादकता के लिए फसल अनुसार मिट्टी में आवश्यक नमी होनी चाहिए। इसके लिए कंट्रोल्ड स्मार्ट इरिगेशन आवश्यक है। प्रदेश के निवाड़ी एवं सागर जिलों में कुछ स्थानों पर डेमो उपकरण स्थापित किए गए हैं। इसके अच्छे परिणाम सामने

आये हैं। इस प्रणाली से भू-जल दोहन में कमी होगी, विद्युत व्यय एवं पम्प रखरखाव में कमी आएगी तथा मोबाइल आधारित सिंचाई नियंत्रण की सुविधा अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने मंत्रालय में अटल भू-जल योजना की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि केन्द्रीय जलशक्ति मंत्रालय द्वारा विश्व बैंक के सहयोग से अटल भू-जल योजना चलाई जा रही है, जिसका उद्देश्य भू-जल स्तर में सुधार, जल प्रदाय के लिए टिकाऊ जल स्त्रोत और कृषि उत्पादन में वृद्धि करना है। उन्होंने कहा कि योजना के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए जनभागीदारी से निर्मित जल सुरक्षा योजना में सप्लाई एवं डिमांड अनुसार राज्य एवं केन्द्र शासन की प्रचलित योजनाओं के अभिसरण से कार्य कर बेहतर जल प्रबंधन सुनिश्चित करें।

योजना में बुन्देलखण्ड क्षेत्र के 6 जिले क्रमशः सागर, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, पन्ना एवं निवाड़ी और 09 विकासखण्डों (सागर, पथरिया, छतरपुर, नौगांव, राजनगर, पलेरा, बल्देवगढ़, अजयगढ़ एवं निवाड़ी) की 670 ग्राम पंचायतों में राशि 303 करोड़ रूपये से 3834 जल संरक्षण एवं संवर्धन संरचनाओं का निर्माण कर 92.60 मिलियन क्यूबिक जल संरक्षित किया गया है।

निर्माण कार्यों की गुणवाा जांच के लिए विशेष अभियान, कई जिलों में मिली अनियमितताएं

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के निर्देश पर प्रदेश में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुधार के लिये माह में दो बार औचक निरीक्षण का अभियान चलाया रहा है। निरीक्षण की कार्य योजना के अंतर्गत 7 मुख्य अभियंताओं की टीमों ने प्रदेश के विदिशा, छिंदवाड़ा, दतिया, इंदौर, मंदसौर, सागर और अनुपपुर सहित अन्य जिलों में कुल 35 निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण कार्य रेंडम आधार पर चयनित परियोजनाओं पर किया गया, जिसमें लोक निर्माण विभाग, पीआईयू, म.प्र. सड़क विकास निगम, भवन विकास निगम एवं राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित कार्य शामिल थे।

निरीक्षण के बाद प्राप्त रिपोर्ट की समीक्षा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रबंध संचालक म.प्र. सड़क विकास निगम श्री भरत यादव, प्रमुख अभियंता (बीएनआर) श्री के.पी.एस. राणा, प्रमुख अभियंता (भवन) श्री एस.आर. बघेल व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में की गई। समीक्षा बैठक में निरीक्षणकर्ताओं की रिपोर्ट के आधार पर अनेक स्थानों पर लापरवाही सामने आने पर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

विदिशा जिले के अंतर्गत महामायी मंदिर पहुंच मार्ग व्हाया पाटन कमालिया के निर्माण कार्य की गुणवत्ता मानक मापदण्ड के अनुसार नहीं पाई गई। इस पर ठेकेदार मेसर्स इन्फा डेव्हलपर्स विदिशा के पंजीयन को ब्लैक लिस्ट में दर्ज किये जाने के लिये मुख्य अभियंता भोपाल परिक्षेत्र को निर्देश दिए गए तथा संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। विदिशा जिले के ही शमशाबाद में 50 सीटर विमुक्त जाति प्री-मेट्रिक बालिका छात्रावास भवन के निर्माण कार्य को निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप और गुणवत्तापूर्ण पाए जाने पर ठेकेदार और अधिकारियों की प्रशंसा की गई। दतिया जिले के अंतर्गत इंदरगढ़-पढोकर-समथर मार्ग के निर्माण कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी श्री आर.के. मिश्रा की एक वेतन वृद्धि रोकी गई, उपयंत्री श्री संतोष शर्मा को निलंबित किया गया तथा श्री रविकांत सारस्वत उपयंत्री की एक वेतन वृद्धि भी रोकी गई। ठेकेदार मेसर्स प्रेस्टीजियर्स स्कोर्स प्रायवेट लिमिटेड ग्वालियर के पंजीयन को ब्लैक लिस्ट में दर्ज करने के लिये मुख्य अभियंता ग्वालियर परिक्षेत्र को निर्देश दिए गए। इसी जिले के सेवढ़ा-स्टेट हाईवे पर शोल्डर का कार्य ठीक नहीं पाए जाने पर एम.पी.आर.डी.सी. के असिस्टेंट जनरल मैनेजर को नोटिस देने के लिये मुख्य अभियंता को निर्देशित किया गया।

सागर जिले के जरुआखेड़ा आर.ओ.बी. एवं सागर-खुरई-बीना कार्य में अत्यधिक विलंब पर ठेकेदार पर पेनाल्टी लगाने और कार्रवाई करने के निर्देश राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र भोपाल को दिए गए।

खुशीलाल अस्पताल में आयुर्वेदिक दवाओं और खान-पान में बदलाव कर हो रहा उपचार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बांझपन (इनफर्टिलिटी) की समस्या से जूझ रहे लोग आमतौर पर एलोपैथिक इलाज ही पसंद करते हैं। ऐसे में ये खबर जरा हटकर है। पं. खुशीलाल आयुर्वेदिक विज्ञान केंद्र में आयुर्वेदिक दवाओं और खान-पान में बदलाव के जरिये न सिर्फ बांझपन का इलाज हो रहा है, बल्कि गर्भधारण से लेकर सुरक्षित प्रसव तक कराया जा रहा है। जनवरी 2024 से अप्रैल 2025 तक यहां 58 महिलाओं ने यहां बांझपन का इलाज कराया। इनमें से 30 महिलाएं गर्भवती हुई हैं और 16 महिलाएं स्वस्थ शिशु को जन्म दे चुकी हैं। यह शोध मध्य प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एमपीसीएसटी) द्वारा फंड किया गया है, जिसके तहत मरीजों को दो महीने तक मुफ्त इलाज और दवाएं दी जाती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार हर 6 में से 1 दंपती किसी न किसी रूप में बांझपन से जूझता है। यदि 12 महीने तक नियमित संबंध के बावजूद गर्भधारण नहीं होता, तो इसे इनफर्टिलिटी माना जाता है। धूम्रपान, शराब, तनाव, प्रदूषण और अनहेल्दी लाइफस्टाइल इनफर्टिलिटी की समस्या को बढ़ाते हैं।खुशीलाल अस्पताल की गायनोकोलॉजिस्ट डॉ. मौसमी कुल्हारे बताती हैं, आयुर्वेद में हर मरीज के अनुसार इलाज किया जाता है। कई बार ट्यूब ब्लॉकेज, थायराइड असंतुलन, पीसीओएस या एंडोमेट्रियोसिस जैसी समस्याएं सामने आती हैं। तनाव और खराब जीवनशैली भी प्रमुख कारण हैं।

37 साल की वेदिका (परिवर्तित नाम) 10 वर्षों से मां बनने की कोशिश कर रही थीं। आईवीएफ में समस्याओं का सामना करने के बाद उन्होंने दो माह आयुर्वेदिक इलाज अपनाया। अब सात महीने की गर्भवती हैं।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने रचा नया इतिहास

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के मार्गदर्शन में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। वित्त वर्ष 2024-25 में खादी और ग्रामोद्योग का कुल कारोबार 1,70,551.37 करोड़ के आंकड़े को पार कर गया है। यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में अब तक का सर्वाधिक कारोबार है। केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने नई दिल्ली स्थित राजघाट कार्यालय में वित्तीय वर्ष 2024-25 के अनंतिम आंकड़े जारी करते हुए यह जानकारी दी।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने बताया कि वर्ष 2013-14 की तुलना में बीते 11 वर्षों में खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादन में 347 प्रतिशत और बिक्री में 447 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उत्पादन 26,109.07 करोड़ से बढ़कर 1,16,599.75 करोड़ तक पहुंचा, जबकि बिक्री ?31,154.19 करोड़ से बढ़कर 1,70,551.37 करोड़ हो गई। इस प्रगति के साथ खादी और ग्रामोद्योग ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने में एक नया अध्याय रचा है।

कलेक्टर ने नगरीय निकायों में ई केवाईसी तथा जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की

रिचार्ज पिट और रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाकर कराएं जल संरक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने नगरीय निकायों में ई केवाईसी तथा जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि नगरीय निकायों में खाद्य सुरक्षा योजना के शत-प्रतिशत हितग्राहियों की ई केवाईसी कराने के लिए शिविर लगाएं। ई केवाईसी की प्रक्रिया में मृत तथा स्थाई रूप से पलायान करने वाले सदस्यों के नाम पोर्टल से पृथक करें। शेष बचे सदस्यों का ई केवाईसी कराने के लिए घर-घर जाकर सदस्यों का सत्यापन करें। सभी हितग्राहियों की 30 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से ई केवाईसी करा दें। इसी तरह समग्र आईडी के सत्यापन के लिए भी प्रत्येक वार्ड में शिविर लगाएं। प्रत्येक सीएमओ हर दिन कम से कम पाँच सौ व्यक्तियों का समग्र पोर्टल में ई केवाईसी दर्ज करके सत्यापन कराएं। समग्र पोर्टल में 30 मई तक शत-प्रतिशत सत्यापन करा दें।

बैठक में कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि नगर के जल स्त्रोतों की साफ-सफाई तथा जल संरक्षण के कार्य प्राथमिकता से कराएं। अभियान की अवधि में कम से कम 100 हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट तथा 50 घरों में रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाकर जल संरक्षण का संदेश दें। ट्यूबवेल तथा कुंओं में भी रिचार्ज पिट बनवाकर जल संरक्षण कराएं। इस गर्मी में आपने मेहनत कर ली तो अगली गर्मी आराम से कटेगी। सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमृत-2 योजना के तहत उपयुक्त स्थल में पार्कों का निर्माण कराएं। नलजल योजना के स्वीकृत काम भी तेजी से पूरा कराएं।

कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना तथा स्वनिधि योजना का क्रियान्वयन भी सीएम डैशबोर्ड में शामिल है। अधूरे आवासों को एक माह की अवधि में पूरा कराकर जानकारी पोर्टल में दर्ज कराएं। आवास निर्माण की राशि लेकर जो हितग्राही आवास नहीं बना रहे हैं उनके विरूद्ध वसूली की कार्यवाही करें। स्वनिधि योजना के पात्र हितग्राहियों को तत्काल राशि जारी कराएं। जल गंगा संवर्धन अभियान तथा ई केवाईसी की प्रगति की हर सप्ताह समीक्षा की जाएगी। सभी सीएमओ अद्यतन जानकारी के साथ टीएल बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े ने बताया कि नगरीय निकायों में अब तक 5 लाख 29 हजार 203 सदस्यों में से 2 लाख 16 हजार 412 सदस्यों के समग्र ई केवाईसी का सत्यापन किया जा चुका है। खाद्य सुरक्षा योजना के तहत 80 प्रतिशत सदस्यों का ई केवाईसी कराया जा चुका है। प्रधानमंत्री आवास योजना में 15 मई तक लक्ष्य के 90 प्रतिशत आवासों को पूरा कराने की समय सीमा दी गई है। बैठक में जिला प्रबंधक ई गवर्नेंस आशीष दुबे, जिला प्रबंधक लोक सेवा रविकांत पाण्डेय तथा सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड सतना को राज्यपाल ने किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड को कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर भारतीय सशस्त्र बलों के कर्मियों के निस्वार्थ बलिदान और अटूट समर्पण का सम्मान करने एवं शहीदों, पूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों और विकलांग सैनिकों के परिवारों के कल्याण हेतु सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि 2023-24 में किए गये सराहनीय योगदान के लिए मध्यप्रदेश के राज्यपाल महामहिम श्री मंगूभाई पटेल द्वारा राजभवन में आयोजित एएसएफ की 24वीं बैठक के भव्य समारोह में स्मृतिचिन्ह एवं प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया।

प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड की ओर से मनीष कुमार सिन्हा, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट, एचआरएम एंड कार्पोरेट अफेयर्स ने स्मृतिचिन्ह एवं प्रशस्तिपत्र ग्रहण किया। इस भव्य सम्मान समारोह का आयोजन संचालनालय, सैनिक कल्याण मध्य प्रदेश, भोपाल द्वारा किया गया था।

प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए इस सम्मान को प्राप्त करने पर कंपनी के कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ राकेश जैन ने हर्ष व्यक्त करते हुये कहा कि प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड लंबे समय से समाजसेवा के क्षेत्र में कार्य कर रही है। जिनमें प्रमुख रूप से वरिष्ठ नागरिकों, वृद्धाश्रम, महिलाओं को सशक्त बनाना, आपदा प्रबंधन, सशस्त्र बल कर्मियों, युद्ध विधवाओं और उनके आश्रितों के कल्याण के लिये कार्य शामिल हैं। उन्होने आगे कहा कि कंपनी भविष्य में भी ऐसे समाजोन्मुखी कार्यों की श्रंखला को जारी रखेगी। कंपनी को समाजसेवा के क्षेत्र में मिले सम्मान पर प्रेसीडेंट एंड प्लांट हेड मनीष कुमार सिंह एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हर्ष व्यक्त किया। उपरोक्त आशय की जानकारी प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड के एजीएम जनसंपर्क देवेन्द्र मिश्रा ने दी।

जल गंगा संवर्धन अभियान में जल स्त्रोतों की सफाई के हो रहे प्रयास

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा और मऊगंज जिलों में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत एक ओर जहाँ रैली, जल यात्रा और जल चौपाल के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर जल स्त्रोतों की सफाई कराई जा रही है। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि अभियान के तहत जनपद पंचायत सिरमौर की ग्राम पंचायत बेढ़ौआ में जागरूकता रैली निकाली गई। तालाब की साफ-सफाई में ग्रामीणों ने श्रमदान किया। साथ ही आमजनता को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। विकासखण्ड रीवा की ग्राम पंचायत पतेरी में आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं ने गांव में जागरूकता रैली निकाली। इसी तरह ग्राम पंचायत नेबूहा में जल संगोष्ठी और रैली का आयोजन किया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान में शिक्षा विभाग भी सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। विभिन्न स्कूलों में साफ-सफाई तथा जल संरक्षण के कार्य कराने के साथ निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से जल संरक्षण के संदेश दिए जा रहे हैं। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैकुंठपुर में विद्यार्थियों ने निबंध प्रतियोगिता एवं रैली निकालकर पानी बचाने का संदेश दिया। छात्राओं ने आकर्षक चित्र और रंगोली बनाकर जल है तो कल है का संदेश दिया। सीएम राइज स्कूल देवतालाब के विद्यार्थियों ने जल संरक्षण और संवर्धन का संदेश देते हुए रैली निकाली। शासकीय कन्या हाईस्कूल सेमरिया में छात्राओं ने रैली निकालकर तथा रंगोली बनाकर जल संरक्षण का संदेश दिया। इसी तरह सिरमौर विकासखण्ड की विभिन्न ग्राम पंचायतों में मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन के महिला स्वसहायता समूहों ने जल जागरूकता के लिए रैली निकाली। ग्राम पंचायत मझियार में जल चौपाल का आयोजन किया गया।

अभियान के तहत जल संरक्षण के लिए कई निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। ग्राम पंचायत जतरी ने उपयंत्री तथा ग्राम पंचायत सचिव ने खेत तालाब एवं पर्कुलेशन टैंक का निर्माण शुरू कराया। नगर परिषद मनगवां में खटखरा तालाब में साफ-सफाई का कार्य कराया गया। जनपद पंचायत मऊगंज की ग्राम पंचायत लौरकला में खेत तालाब का निर्माण पूरा किया गया। नगर परिषद गुढ़ के विभिन्न वार्डों में साफ-सफाई तथा हैण्डपंपों में सोकपिट बनाने का कार्य किया जा रहा है। अभियान के तहत हनुमना विकासखण्ड की ग्राम पंचायत फूल बजरंग सिंह में उपयंत्री ने खेत तालाब का निर्माण कार्य शुरू कराया। ग्राम पंचायत शिवपुरवा में इंजीनियर बैकुण्ठ शुक्ला तथा अंकिता सोहगौरा ने खेत तालाब एवं पुलिया निर्माण का निरीक्षण किया।

प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने ली समीक्षा बैठक

सतना जिले में आगामी बरसात में 25 लाख पौधों का होगा रोपण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले में आगामी बरसात में 25 लाख पौधों को रोपण किया जायेगा। सतना मेडीकल कॉलेज का नामकरण पं. अटल बिहारी बाजपेयी मेडीकल कॉलेज के नाम पर करने राज्य शासन को प्रस्ताव भेजा जायेगा। इस आशय के सर्व सम्मति से निर्णय गुरूवार को नगरीय विकास एवं आवास मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की अध्यक्षता में संपन्न विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में सर्व सम्मति से लिये गये। प्रभारी मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों में जनप्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि और आमजन की सहभागिता लेकर इसे जनान्दोलन का रूप दिया जाये। इस मौके पर नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह, विधायक सुरेन्द्र सिंह गहरवार, विरेन्द्र सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह, स्पीकर नगर निगम राजेश चतुर्वेदी, जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह, ज्ञानेन्द्र सिंह, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, विधायक सतना प्रतिनिधि राजदीप सिंह, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, एसडीएम राहुल सिलाडिया, जितेन्द्र वर्मा, सुधीर बेक, एपी द्विवेदी सहित जिला विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

समीक्षा बैठक में पूर्व बैठक की कार्यवाही के पालन प्रतिवेदन में प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि सतना नगर निगम क्षेत्र के रेस्टोरेशन और सडक के रिपेयर कार्य में सुधार के लिये नगरीय विकास राज्यमंत्री, कलेक्टर और नगर निगम के अधिकारियों तथा ठेकेदारों के साथ बैठक कर समीक्षा करें और प्रतिवेदन प्रभारी मंत्री को भेंजे। सांसद भी इस बैठक में शामिल हो। उन्होंने कहा कि बरसात के पहले सतना नगर निगम की सडकें धूल और गढ्डे से मुक्त होनी चाहिए। जो भी ठेकेदार ठीक काम नहीं कर रहे उन्हें ब्लैक लिस्ट करें। आयुक्त नगर निगम ने बताया कि जून माह तक रेस्टोरेशन पूर्ण कर सडकों का काम पूरा कर लिया जायेगा। पिंडरा-नकेला-बरौंधा सडक के रिपेयरिंग कार्य की जानकारी में कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी ने बताया कि रिपेयरिंग का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। आवश्यकतानुसार नवीन सडक स्वीकृति का प्रस्ताव भी तैयार किया जा रहा है। सीईओ जिला पंचायत संजना जैन ने बताया कि आजीविका मिशन का एक प्रशिक्षण केन्द्र अमरपाटन में संचालित है। सतना जिले के सीटीसी के लिए सोहावल जनपद में 10 लाख का बजट प्राप्त हुआ है। जिसे शीघ्र प्रारंभ किया जायेगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों की जानकारी लेते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों, पंचायत और आमजन की भागीदारी लेकर इस अभियान को जनान्दोलन का रूप दें। सीईओ जिला पंचायत ने बताया कि खेत का पानी खेत में गांव का पानी गांव में की थीम पर जिले में 656 खेत, तालाब के लक्ष्य के विरूद्ध 695 खेत, तालाब बनाये जा रहे है। डग वेल के 1000 के लक्ष्य के विरूद्ध दो गुने डग वेल पंचायत में बनाये जायेंगे। इसके साथ 15 अमृत सरोवर और एक नदी पुर्नजीवन का कार्य भी लिया गया है। सांसद गणेश सिंह ने कहा कि जिले में प्रत्येक ग्राम पंचायत में 2 से 5 तालाब है। इनके पानी के आवक के रास्ते खोलने और गाद हटाने का कार्य भी लिये जा सकते हैं।

प्रभारी मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि सतना में औद्योगिक परिवेश के कारण प्रदूषण बहुत है। जिले में सघन वृक्षा रोपण की कार्य योजना बनाये। इसमें सांसद और कलेक्टर जिले के उद्योग पतियों, किसानों, व्यापारियों एवं आम नागरिकों को वृहद वृक्षारोपण अभियान से जोडकर कम से कम 25 लाख पौधों का रोपण करने की कार्य योजना बनायें। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण में 5-6 फिट बडे पौधे लगाये जाये ताकि उनका सरवाइबल रेट अधिक रहे। उप वन मंडलाधिकारी ने बताया कि जिले में इस वर्ष 18 लाख बांस के पौधे रोपने का लक्ष्य है। इसके अलावा अन्य विभिन्न जंगली प्रजाति के पौधे भी रोपे जायेंगे। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सभी सरकारी भवनों, दफ्तरों, सार्वजनिक और सरकारी भूमि पर सुरक्षित रूप से पौध रोपण करें और अभियान चलाकर इस पुनीत कार्य में सब की भागीदारी लें। प्रभारी मंत्री ने कहा कि किसानों को खेत की मेड पर बांस के पौधे रोपण की जन जागरूकता के लिए अभियान चलाये। वन विभाग द्वारा बांस के पौधे मुफ्त दिये जायेंगे। इनसे किसानों को 6 साल में लगभग 30 हजार की आमदनी की होगी।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 135 बीजी चित्रकूट-मझगवां-सतना खण्ड का प्रस्तावित चार लेन चौडीकरण 77.11 किमी लम्बाई की सडक 2480 करोड रूपये की अनुमानित लागत की परियोजना है। जिसमें चित्रकूट बायपास, पिंड्रा बायपास, खूझा और करही बायपास भी शामिल है। सतना-मैहर के 40.32 किमी के खण्ड में 4.45 किमी शेष कार्य छोडकर 2 लेन पेव्ड शोल्डर का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। सांसद सिंह ने इस मार्ग की सर्विस लेन भी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोठी और नागौद के अलावा अन्य स्थानों पर विशेषज्ञ चिकित्सक की पद स्थापना नहीं है। जिला अस्पताल की ओपीडी में मेडीकल कॉलेज सतना के चिकित्सकों का सहयोग लिया जा रहा है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधा के क्षेत्र में सतना मेडीकल कॉलेज के अस्पताल के लिए राज्य शासन द्वारा 383 करोड रूपये की स्वीकृति दी गई है। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं, डॉक्टरों एवं अन्य संसाधनों की पूर्ति के लिए प्रस्ताव बनाकर भेजे। सांसद सिंह ने सतना मेडीकल कॉलेज की अस्पताल के लिए 383 करोड रूपये की राशि स्वीकृत करने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल और प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के प्रति बैठक की तरफ से सर्व सम्मति से आभार जताया।

नेत्रदान कर अमर हो गई विद्यादेवी नंदवानी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना वरिष्ठ समाजसेवी अशोक नंदवानी एवं मुरली नंदवानी जी की पूज्यनीय माता विद्या देवी नंदवानी जी का स्वर्गवास हो गया निधन उपरांत संजय होतचंदानी दिलीप सोनी जी की प्रेरणा से प्रेरित होकर परिवार ने पूज्य माताश्री का नेत्रदान करवाने का निर्णय लिया सतगुरु की तकनीकी टीम द्वारा नेत्रदान कराया गया। अमर ज्योति के संयोजक मनोहर डिगवानी ने कहा निश्चित रूप से विद्यादेवी जी के इस नेत्रदान से दो अंधकारमय जीवन रोशन होंगे नेत्र प्राप्त करने वाले नेत्रहीन आजीवन परिवार को दुवाए देंगे।

अमर ज्योति के सदस्य विनोद गेलानी ने बताया संस्था द्वारा यह 838 वां नेत्रदान करवाया इसके पूर्व 837नेत्रदान हो चुके हैं। समिति के मार्गदर्शक योगेश ताम्रकार,संयोजक मनोहर डिगवानी,कमल पुरस्वानी,मनोज अरोरा,नरेंद्र चंद्र गुप्ता,पुष्पराज सिंह,हरिओम गुप्ता,मनमोहन माहेश्वरी,विभाष बनर्जी,सुधीर जैन,ललित खुराना, विनोद गेलानी दिलीप सोनी,प्रदीप अरोरा,विपुल हांडा,संजय वाधवानी,अनिल मोटवानी,जेठानंद वाधवानी, घनश्याम मँघरानी,श्यामलाल गुप्ता श्यामू,मनोज वलेजा,संदीप चमड़िया,अनिल झुलवानी, नीलांबर झा,बसंत शर्मा,संदीप धूत,दीपक वाधवानी,रूपेश वलेचा, तरुण ठक्कर,भरत आहूजा, पंकज आहूजा, श्रीमती मंजूषा शाह दिनेश अग्रवाल, अशोक ताम्रकार,उमेश लोहिया, डॉ प्रकाश सिंह,ज्ञान खटवानी,मनीष टेकवानी, धीरज टंडन, बलराम गुनानी सहित सभी सदस्यों ने दिवंगत के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिजनों के प्रति साधुवाद प्रेषित किया है

बाल विवाह मुक्त भारत बनने एवं बाल अधिकार संरक्षण पर हुई कार्यशाला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय, राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन में एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समीर कुमार मिश्र के मार्गदर्शन में एवं जिला न्यायाधीश सुधीर सिंह राठौड के मुख्य आतिथ्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रीवा एवं महिला बाल विकास विभाग रीवा एवं अहिंसा वेलफेयर सोसायटी जिला रीवा के संयुक्त तत्वावधान में एडीआर भवन रीवा में पॉक्सो, महिला एवं बाल विधियां, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि सुधीर सिंह राठौड ने अपने उद्बोधन मे पॉक्सो, व महिलाओं के संबंध में विधियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं की स्वतंत्रता और प्रगति से ही समाज की प्रगति होती है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समीर कुमार मिश्र ने दहेज प्रतिषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम व पॉक्सो अधिनियम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि बालक-बालिकाओं के साथ यौन प्रताड़ना के संबंध में पॉक्सो में कड़े प्रावधान किए गए हैं जो कि बालक-बालिकाओं की सुरक्षा के लिए परम आवश्यक है। जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्रा ने निःशुल्क विधिक सहायता योजना के बारे में जानकारी दी। एसडीओपी0 उमेश प्रजापति एवं नगर पुलिस अधीक्षक रीतु उपाध्याय ने सायबर क्राईम के बारे में जानकारी दी। बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष मीना मिश्र ने बाल कल्याण समिति के संबंध में प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। बालकल्याण समिति के सदस्य प्रवीण मिश्रा, विभा द्विवेदी ने भी बालक अधिकारों के बारे में प्रकाश डाला।

अतिरिक्त जिला अभियोजन अधिकारी अंजु पाण्डेय ने पॉक्सो अधिनियम के बारे में जानकारी दी। समग्र चेतना विकास परिषद के संचालक सुमित सिंह ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के बारे में जानकारी दी। लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सुरेंद्र सिंह, आनंद पाण्डेय, मंजूर अहमद, आरती तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समाज सेवी ममता नरेंद्र सिंह ने महिलाओं के संबंध में विधि की भूमिका के बारे में प्रकाश डाला।

नशा अपराध की जड़ है - समीर कुमार मिश्रा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समीर कुमार मिश्र के नेतृत्व में सेंट्रल अकादमी विद्यालय में नशा उन्मूलन के संबंध में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समीर कुमार मिश्र ने नशे की लत के दुष्परिणाम से अवगत कराते हुए कहा कि नशे की लत के कारण ही व्यक्ति कमजोर होता है और समाज एवं परिवार की मुख्य धारा से कट जाता है। नशा अपराध की जड़ है, इसलिए युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहना चाहिए। अपने शरीर को स्वस्थ्य रखें व समाज व परिवार की उन्नति हेतु अपना योगदान दें। उन्होनें कहा कि प्रत्येक विद्यालय में एन्टी ड्रग क्लब की स्थापना होनी चाहिए ताकि विद्यालय के विद्यार्थी नशे की लत का शिकार न हो सके। जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्रा ने नशा उन्मूलन योजनाओं एवं निःशुल्क विधिक सहायता योजना के बारे में जानकारी दी। लीगल एड डिफेंस काउंसिल के लीगल असिस्टेंटि अनीश पाण्डेय ने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई बन चुकी है और समाज को इस बुराई से मुक्त कराया जाना आवश्यक है। कार्यकम में सेंट्राल अकादमी विद्यालय के प्राचार्य दिनेश पाठक ने व्यक्त आभार किया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापक-अध्यापिका एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने नगर निगम स्पीकर का कुशलक्षेम जाना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा प्रवास के दौरान नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उनके शीघ्र स्वस्थ्य होने की शुभेच्छा व्यक्त की। उप मुख्यमंत्री ने स्पीकर नगर निगम के अस्वस्थ्य होने की जानकारी प्राप्त होने पर अस्पताल पहुंचकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा कुशलक्षेम जाना।

जिले में प्रात: 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश रहेगा प्रतिबंधित

सतना. कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. सतीश कुमार एस ने सतना नगर निगम क्षेत्र के अंदर प्रात: 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक मध्यम और भारी वाहनों तथा कृषि कार्य के अलावा अन्य कार्यों में संलग्न ट्रैक्टर-ट्रालियों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया है। पुलिस अधीक्षक सतना के प्रतिवेदन के अनुसार सतना नगर निगम सीमा क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुडे ट्रकों, भारी वाहनों, लोडिंग वाहनों एवं मालवाहक ट्रैक्टर-ट्रालियों के आवागमन से होने वाली दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाये जाने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट ने मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 115 एवं मोटरयान नियम 1994 का नियम 215 के अंतर्गत विभिन्न प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये है।

रीवा से अब लोग कर सकेंगे दक्षिण भारत की यात्रा

रीवा से चेर्लापल्ली सिकंदराबाद समर स्पेशल ट्रेन रेलवे ने की शुरू

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा से अब लोग दक्षिण भारत की यात्रा शुरू कर सकेंगे। रेलवे ने रीवा से चेर्लापल्ली सिकंदराबाद समर स्पेशल ट्रेन शुरू की है। यह ट्रेन सप्ताह में दो दिन संचालित होगी। इसका लाभ रीवा सहित पूरे विंध्य क्षेत्र के लोगों को मिलेगा।

यह समर स्पेशल ट्रेन सप्ताह में दो दिन गुरुवार और रविवार को रीवा से दोपहर 1 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन रीवा से सतना, मैहर, कटनी, दमोह और बीना होते हुए भोपाल पहुंचेगी, वहां से अगर मालवा, इटारसी होते हुए ट्रेन नागपुर पहुंचेगी और उसके बाद शुक्रवार की दोपहर यह ट्रेन चर्लपल्ली पहुंचेगी। चर्लपल्ली से 3.30 बजे यह ट्रेन रीवा के लिए रवाना होगी जो शनिवार को रीवा आएगी। गर्मी की छुट्टियों में बड़ी संख्या में लोग परिवार सहित बाहर घूमने जाते हैं उनकी सुविधा को देखते हुए रेलवे ने दक्षिण भारत के लिए यह ट्रेन शुरू की है। चर्लपल्ली से वे आगे कई महत्वपूर्ण स्टेशनों की यात्रा कर सकते हैं। गुरुवार को यह ट्रेन रीवा से सवारी लेकर पहली बार रवाना हुई।

विचार

पहलगाम में जब लोगों का धर्म पूछकर उन्हें गोली मारी गयी तो इसे आतंकी घटना कहेंगे या जिहादी हमला?

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हंसते खेलते माहौल में एकाएक मातम छा जाने से हर भारतीय का दिल भर आया है। 28 पर्यटकों के मारे जाने की घटना बड़ी दुखद है लेकिन यह देखना भी दुखद है कि इस हमले की कुछ लोग सही से निंदा भी नहीं कर पा रहे हैं। जिस घटना में लोगों का धर्म पूछ पूछ कर मारा गया हो उसे आतंकवादी घटना कहा जा रहा है जबकि यह सीधा सीधा जिहाद का मामला लगता है क्योंकि पर्यटकों का धर्म पूछ कर उन्हें गोली मारी गयी। यही नहीं, हर मोर्चे पर विफल संयुक्त राष्ट्र को देखिये उसके महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने पहलगाम के घटनाक्रम को ''सशस्त्र हमला%% बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र को नहीं पता कि सशस्त्र हमले और आतंकवादी या जिहादी हमले में क्या फर्क होता है?

इसके अलावा, कश्मीर को लेकर अपना प्रोपेगेंडा चलाने वाला अंतरराष्ट्रीय मीडिया 26 भारतीयों की मौत पर भी अपना खेल जारी रखे हुए है। यकीन ना हो तो बीबीसी की अल जजीरा की खबर को देखिये उसकी हेडलाइन है इसके अलावा, जो लोग कहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता उनसे यह भी पूछा जाना चाहिए कि आतंकवादियों के नाम एक खास धर्म से संबंधित क्यों होते हैं? जो लोग कहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता उनसे पूछा जाना चाहिए कि पहलगाम में मासूम पर्यटकों को उनका धर्म पूछने के बाद क्यों मारा गया? क्यों उनसे कलमा पढ़ने को कहा गया और कलमा नहीं पढ़ पाने पर उन्हें गोली मार दी गयी? सवाल उठता है कि क्यों किसी पर्यटक की पैंट उतार कर यह जांचा गया कि उसका खतना हुआ है या नहीं? क्यों खतना नहीं पाये जाने पर उसे गोली मार दी गयी? देखा जाये तो आतंकवाद का कोई धर्म होता हो या नहीं लेकिन अपने आसपास के घटनाक्रमों पर ही गौर कर लें तो साफ प्रतीत होता है कि आतंकवाद से सर्वाधिक पीड़ित धर्म हिंदू है। भारत में बहुसंख्यक होने के बावजूद हिंदुओं को गोली मार दी जाती है? अपने घर से पलायन करने पर उन्हें मजबूर कर दिया जाता है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं की तो बात ही छोड़ दीजिये वहां तो अब उनके अस्तित्व पर ही संकट मंडराने लगा है। बहरहाल, पहलगाम मामले में एनआईए ने जांच का काम संभाल लिया है। लेकिन जरूरी है कि इस समूचे घटनाक्रम के पीछे मौजूद उद्देश्य को समझ कर सही कार्रवाई की जाये। हमारी एजेंसियों को यह ध्यान रखना चाहिए कि आतंकवादी धर्म के आधार पर लोगों को मार कर गये हैं। हमारी एजेंसियों को इस बात का संज्ञान लेना चाहिए कि पीड़ित परिवारों ने बताया है कि आतंकवादियों ने उन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का समर्थन करने का आरोप लगाया है। देखा जाये तो यह सीधे सीधे भारत की चुनी हुई सरकार को चुनौती देने का मामला बनता है।

हिन्दी विरोध की संकीर्ण राजनीति के दंश

हिंदी को लेकर तमिलनाडु की राजनीति का आक्रामक होना कोई नयी बात नहीं है लेकिन तमिलनाडु के बाद महाराष्ट्र में हिंदी का विरोध यही बताता है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से किस तरह भाषा को हथियार बनाया जा रहा है। विभिन्न राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी एवं केन्द्र सरकार को घेरने के लिये जिस तरह भाषा, धर्म एवं जातियता को लेकर आक्रामक रवैया अपनाते हुए देश में अशांति, अराजकता एवं नफरत को फैला रहे रहे हैं, यह चिन्ताजनक है। महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। हिन्दी दुनिया का तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा बनने की ओर अग्रसर है। हिन्दी विदेशों में समान पा रहे हैं और अपने ही देश में उपेक्षा एवं विवाद का शिकार बन रही है।

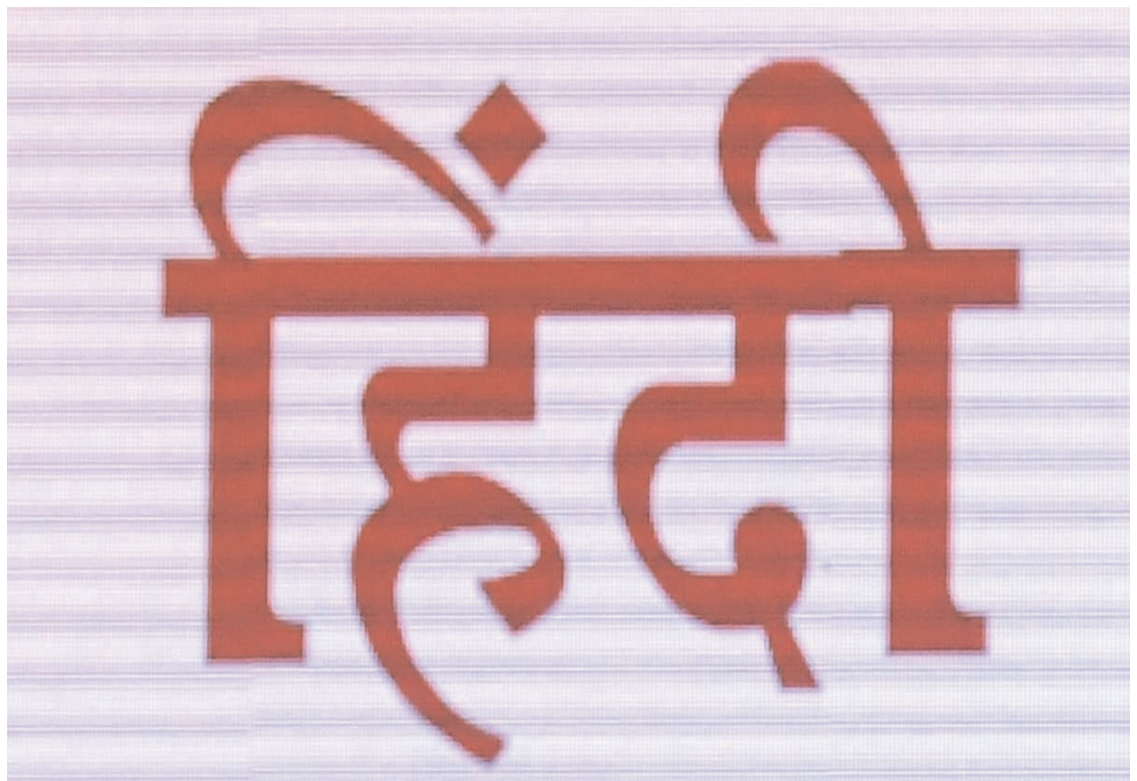

महाराष्ट्र और अन्य गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी की स्वीकार्यता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि उसकी उपयोगिता सिद्ध हो रही है। हिंदी का मराठी या अन्य किसी भाषा से कोई झगड़ा नहीं। क्या यह विचित्र नहीं कि हिंदी का विरोध उस महाराष्ट्र में हो रहा है, जिसकी राजधानी हिंदी फिल्म उद्योग का गढ़ है? हिंदी फिल्म उद्योग ने मुंबई को न केवल प्रतिष्ठित किया है, बल्कि महाराष्ट्र के लोगों को लाभान्वित भी किया है। क्या राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे आदि हिंदी फिल्म उद्योग का भी विरोध करेंगे? ऐसा करके वे अपने राज्य के लोगों के पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम करेंगे। यह किसी से छिपा नहीं कि हिंदी विरोध के नाम पर लोगों की भावनाएं भड़काने का काम अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने के लिए किया जाता है। यह और कुछ नहीं, राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को कमजोर करने और लोगों में वैमनस्य पैदा करने वाली क्षुद्र राजनीति है। त्रिभाषा फार्मूले में केन्द्र सरकार चाहती है कि भारत में प्रत्येक छात्र को तीन भाषाएँ सीखनी चाहिए, जिनमें से दो मूल भारतीय भाषाएँ होनी चाहिए, जिसमें एक क्षेत्रीय भाषा शामिल होनी चाहिए और तीसरी अंग्रेज़ी होनी चाहिए। यह सूत्र सरकारी और निजी दोनों स्कूलों पर लागू होता है और शिक्षा का माध्यम तीनों भाषाओं में से कोई भी हो सकता है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के त्रिभाषा फार्मूले के तहत मराठी और अंग्रेजी के साथ हिंदी को पढ़ाए जाने के महाराष्ट्र सरकार के निर्णय पर विपक्षी दलों की राजनीतिक आक्रामकता का कारण वोट की राजनीति एवं भाजपा के बढ़ते वर्चस्व को विराम लगाने की स्वार्थी मानसिकता है। त्रिभाषा फार्मूले पर सबसे पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे ने आपत्ति उठाई। यह वही राज ठाकरे हैं, जो हिन्दुत्व का झंडा हाथ में लेकर स्व-संस्कृति की वकालत करते रहे हैं। इस पर हैरानी नहीं कि उद्धव ठाकरे भी राज ठाकरे के सुर में सुर मिला रहे हैं। उनकी शिवसेना ने एक समय दक्षिण भारतीयों को मुंबई से भगाने का अभियान छेड़ा था, फिर उसके निशाने पर उत्तर भारतीय आ गए थे। हैरानी इस बात की है कि शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता भी त्रिभाषा फार्मूले के तहत हिंदी पढ़ाए जाने का विरोध कर रहे हैं और इसके पीछे साजिश देख रहे हैं। अच्छा होता कि मराठी अस्मिता की रक्षा के बहाने हिंदी को निशाने पर ले रहे ये नेता यह बताते कि तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का विरोध करने के क्या कारण है? केवल मोदी सरकार ने इसे प्रस्तुत किया है, इस कारण इसका विरोध मानसिक दिवालियापन का द्योतक है।

तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का चयन इसलिए सर्वथा उपयुक्त है, क्योंकि एक तो वह आधिकारिक राजभाषा एवं सबसे प्रभावी संपर्क भाषा है और दूसरे, महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में हिंदी बोलने-समझने वाले हैं। ये वे लोग हैं, जो काम-धंधे के सिलसिले में महाराष्ट्र गए और फिर वहीं बस गए। इन्होंने महाराष्ट्र के विकास में योगदान भी दिया है। इसकी अनदेखी करते हुए हिंदी का विरोध करना एक तरह का नस्लवाद ही है, एक तरह की संकीर्ण एवं स्वार्थी मानसिकता है। संचार और सूचना क्रांति तथा तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु एवं महाराष्ट्र आदि गैर हिन्दी भाषी राज्यों की स्थिति तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, पर उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने वालों की तादाद बढ़ी है। चाहे तमिलनाडु का निवासी हो या फिर महाराष्ट्र या फिर गैर हिन्दी भाषी राज्य का, उसके हाथ में यदि फोन है, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन है, तो तय है कि उसकी अंगुलियों के नियंत्रण में हिंदी और अंग्रेजी ही नहीं, दुनियाभर की भाषाएं हैं, इसलिए हिंदी ही नहीं, किसी भी भाषा का विरोध अब दुनिया के किसी भी कोने में पूरी तरह न तो सफल हो सकता है और न ही कोई दीवार उसे रोक सकती है। फिर हिन्दी तो हिन्दुस्तान की अस्मिता एवं अस्तित्व से जुड़ी भाषा है। दुनिया में जहां कहीं भी लोग अन्यत्र जाकर बसते हैं, वे अपने साथ अपनी संस्कृति और भाषा भी ले जाते हैं। यदि कोई यह चाहता है कि ऐसा न हो तो ऐसा होने वाला नहीं है। महाराष्ट्र के विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं, तमिलनाडू में इसके रोकने के प्रयास हो रहे हैं, वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एक अलग नजरिया दिया। उन्होंने हिंदी सहित कई भाषाओं की शिक्षा की वकालत की है। नायडू ने कहा कि भाषा केवल संचार का एक साधन है। आप सभी जानते हैं कि तेलुगु, कन्नड़, तमिल और अन्य भाषाएं विश्व स्तर पर चमक रही हैं। नॉलेज अलग है, भाषा अलग है। हिंदी भी देश में कम्युनिकेशन लैंग्वेज के तौर पर जरूरी है।

हिन्दी हमारी मातृभाषा के साथ-साथ राजभाषा होने के बावजूद उसको उचित सम्मान न मिलना या हिन्दी के नाम पर विध्वसंक राजनीति होना अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है, सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा भी हिन्दी ही है। गूगल के अनुसार हिन्दी दुनिया की ऐसी भाषा है जिसमें सर्वाधिक कंटेंट (पाठ्य सामग्री) का निर्माण होता है। सर आइजेक पिटमैन ने कहा है कि संसार में यदि कोई सर्वांग पूर्ण लिपि है तो वह देवनागरी है। निश्चित ही सशक्त भारत-विकसित भारत निर्माण एवं प्रभावी शिक्षा के लिए हिन्दी में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। तथ्य यह भी है कि उत्तर भारत के अलावा देश के अन्य राज्यों से जो राजनेता प्रधानमंत्री बने, उन्होंने कभी हिंदी का विरोध नहीं किया। दक्षिण भारत से पहले प्रधानमंत्री बने पी वी नरसिंह राव धाराप्रवाह हिंदी बोलते थे। कर्नाटक के नेता एच.डी. देवेगौड़ा जब पीएम बने तो उन्होंने लालकिले से हिंदी में ही अपना भाषण दिया था। हिन्दी राष्ट्रीयता एवं राष्ट्र का प्रतीक है, उसकी उपेक्षा एक ऐसा प्रदूषण है, एक ऐसा अंधेरा है जिससे छांटने के लिये ईमानदार प्रयत्न करने होंगे। क्योंकि हिन्दी ही भारत को सामाजिक-राजनीतिक-भौगोलिक और भाषायिक दृष्टि से जोड़नेवाली भाषा है। हिंदी को दबाने की नहीं, ऊपर उठाने की आवश्यकता है। भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक राष्ट्र भाषा हिन्दी को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद हिन्दी को उसका उचित स्थान न मिलना विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। विश्व में हिन्दी की प्रतिष्ठा एवं प्रयोग दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, लेकिन देश में उसकी उपेक्षा एवं राजनीतिक विरोध एक बड़ा प्रश्न है। राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण-स्वार्थी सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान राष्ट्र में हिन्दी को नहीं मिल रहा है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाने लगा क्योंकि भारत और अन्य देशों में 120 करोड़ से अधिक लोग हिन्दी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं। पाकिस्तान की तो अधिकांश आबादी हिंदी बोलती व समझती है। बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अफगानिस्तान में भी लाखों लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। फिजी, सुरिनाम, गुयाना, त्रिनिदाद जैसे देश तो हिंदी भाषियों द्वारा ही बसाए गये हैं। हिन्दी का हर दृष्टि से इतना महत्व होते हुए भी भारत में प्रत्येक स्तर पर इसकी इतनी उपेक्षा क्यों?

भारतीय मिसाइलों व रक्षा उपकरणों का बज रहा दुनिया में डंका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सर्वांगीण विकास के पथ पर बढ़ता हुआ आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है। रक्षा क्षेत्र भी इस धारा से अछूता नहीं है इसमें भी अहम और व्यापक परिवर्तन दिख रहा है । 2014 के पूर्व मात्र एक दशक पूर्व तक भारत की पहचान रक्षा उपकरणों के खरीदार की हुआ करती थी। रक्षा खरीद में घोटालों के समाचार आना सामान्य बात थी फिर भी ख़रीदे गए हथियारों की समय पर आपूर्ति नहीं होती थी। मोदी जी के नेतृत्व में ये परिस्थितियाँ तीव्रता के साथ बदल रही हैं। अब भारत जल, थल और नभ तीनों सेनाओं के सभी अंगों को सुदृढ़ करने के लिए दिन-रात प्रयास कर रहा है जिससे रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता और बल दोनों निरंतर बढ़ रहे हैं। भारत के रक्षा वैज्ञानिक निरंतर शोध में में व्यस्त हैं। हर दिन किसी न किसी मिसाइल का सफल परीक्षण किया जा रहा है, रक्षा उपकरणों का उत्पादन बढ़ाया जा रहा है जिसके फलस्वरूप भारत की मिसाइलों व रक्षा उपकरणों का डंका विश्व बार में बजने लगा है। अब भारत रक्षा उपकरणों तथा तकनीक का क्रेता ही नहीं विक्रेता भी बन रहा है। द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के अंतर्गत होने वाले समझौतों में भारत यह बात भी शामिल करता है कि क्रय किये जा रहे हथियारों का निर्माण व सम्बंधित प्रशिक्षण भी भारत में हो। राफेल लड़ाकू विमान इसका प्रमुख उदाहरण है। आज भारतीय मिसाइलों की क्षमता से विश्व प्रभावित हो रहा है और कई देश भारतीय मिसाइलें खरीदकर उन्हें अपनी सीमाओं की सुरक्षा में लगाना चाहते हैं। वह छोटे देश तथा जिनकी सीमा चीन से लगी हुई है या फिर जिन पर विस्तारवादी चीन की गिद्ध दृष्टि लगी है, विशेष रूप से भारत की ब्रह्मोस मिसाइल खरीदकर अपने यहां तैनात कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक कुशल रणनीतिकार की तरह चीन व पाकिस्तान को चारों ओर से घेरने का काम कर रहे हैं, जिसमें ब्रह्मोस जैसी मिसाइलें महत्वपूर्ण हैं। ब्रह्मोस एक ऐसी उन्नत मिसाइल है जिसे न केवल दक्षिण चीन सागर के राष्ट्र अपितु बड़े मुस्लिम राष्ट्र भी खरीद रहे हैं।

चीन के शत्रु फिलीपींस को भारत ने ब्रह्मोस दी है। फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइलों का निर्यात भारत द्वारा किसी भी देश के साथ किया गया अब तक का सबसे बड़ा रक्षा विक्रय समझौता है। भारत ने ब्रह्मोस सुपर सोनिक मिसाइल की आपूर्ति के लिए जनवरी 2022 में फिलीपींस के साथ 375 मिलियन डालर का समझौता किया था जो कि अब लागू हो चुका है। अप्रैल- 2024 फिलीपींस को ब्रह्मोस की पहली खेप मिली। इंडोनेशिया भी भारत की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल खरीदने वाला है। वियतनाम और मलेशिया जैसे दक्षिण पूर्व एशियाई देशों ने भी इस अत्याधुनिक मिसाइल को खरीदने में रुचि दिखाई है। आगामी दिनों में सऊदी

अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश भी ब्रह्मोस मिसाइल के बड़े खरीददार बन सकते हैं। श्रीलंका जैसे छोटे देश जिनकी सीमा चीन से मिलती है उन सभी देशों के साथ ब्रह्मोस को तैनात करने के लिए बातचीत चल रही है। साथ ही यह वर्ष ब्रह्मोस मिसाइल का 25वां वर्ष मनाया जा रहा है इसलिए 25 देशों के साथ ब्रह्मोस की डील को लेकर वार्ता चल रही है जिसमें कुछ देशों के साथ वार्ता अंतिम चरण में पहंच चुकी है। ब्रह्मोस की विषेषता- सबसे तेज सुपरसेनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस भूमि, वायु, जल यानि समुद्र की गहराइयों में भी पलक झपकते ही शत्रु को निशाना बना लेती है। 12 जून 2001 को मिसाइल ने अपनी पहली सफल उड़ान भरी थी। यह भारत और रूस की एक संयुक्त परियोजना है जिस पर लगातार काम चल रहा है। इस मिसाइल का नामकरण भारत की नदी ब्रह्मपुत्र और मास्को की नदी मोसक्वा के नाम पर किया गया है। 24 जनवरी 2024 के ब्रह्मोस के नये उन्नत वर्जन का सफल परीक्षण किया गया। मिसाइल की रेंज को बढ़ाया गया है और साथ ही तकनीक को भी बेहतर बनाया गया है। यह मिसाइल अपनी सटीकता के लिए जानी जाती है। अब इस मिसाइल की रेंज बढ़कर 800 किमी हो गई है जबकि पहले रेंज केवल 200 किमी तक ही सीमित थी। यह हवा में ही रास्ता बदलने तथा चलते फिरते टारगेट को भी ध्वस्त करने में सक्षम है। यह 10 मीटर की ऊंचाई पर उड़ान भरने में सक्षम हैं। यह एक ऐसी मिसाइल है जिसे शत्रु अपने रडार से देख नहीं पायेगा। यह मिसाइल 1200 यूनिट की ऊर्जा पैदा करती है जो किसी भी बड़े टारगेट को पलक झपकते ही ध्वस्त कर सकती है। ब्रह्मोस मिसाइल भारतीय नौसेना के कई युद्धपोतों पर तैनात है। ब्रह्मोस मिसाइल के बाद भारत के कई अन्य हथियार भी विदेशी की सेनाओं में होंगे जिसमें आकाश मिसाइल, अर्जुन टैंक, लाइट एयरक्राफ्ट जैसे कई उपकरण शामिल हैं जिनके निर्यात करने की तैयारियां चल रही हैं।

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में श्रमिकों के लिए लगा शिविर

41 श्रमिकों का पंजीयन, चनवारीडांड में शुरू हुआ डिजिटल सुविधा केन्द्र

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में श्रमिक कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। भरतपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत करौं में श्रमिक पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट और श्रम अधिकारी विनय सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में 50 श्रमिकों ने भाग लिया। इनमें से 22 श्रमिकों का नया पंजीयन किया गया। साथ ही 19 पहले से पंजीकृत श्रमिकों का सत्यापन कर उनकी जानकारियां अपडेट की गईं। वहीं, पंचायती राज दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत चनवारीडांड में जिला पंचायत सदस्य उजीत नारायण सिंह ने अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया। इस सुविधा केंद्र से ग्रामीणों को अब गांव में ही बैंकिंग सेवाएं, सरकारी योजनाओं की जानकारी और दस्तावेजों की ऑनलाइन सुविधाएं मिलेंगी। शिविर में श्रमिकों को छत्तीसगढ़ सरकार की पांच प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इनमें मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक सहायता योजना, श्रमिक जीवन सुरक्षा योजना और श्रमिक आवास सहायता योजना शामिल हैं। इसके अलावा मातृत्व एवं पालन-पोषण सहायता योजना तथा श्रमिक बाल शिक्षा प्रोत्साहन योजना की भी विस्तृत जानकारी दी गई। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। साथ ही उनके परिवारों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना है। शिविर में श्रमिकों को बताया गया कि ये योजनाएं उनके लिए सामाजिक सुरक्षा कवच का काम करेंगी। कार्यक्रम की सफलता में स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों, श्रम निरीक्षकों और विभागीय टीम का विशेष योगदान रहा। सभी ने पूरी निष्ठा से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। ग्राम पंचायत चनवारीडांड में पंचायत राज कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन से हुई। उन्होंने बिहार के मधुबनी से ग्रामीण विकास पर अपने विचार साझा किए। इस दौरान जनप्रतिनिधि, ग्रामीण और अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट और जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम के नेतृत्व में जिले की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाएं आयोजित की गईं। पंचायत सचिव ने विकास योजनाओं और पंचायत की भूमिका की विस्तृत जानकारी दी। नए डिजिटल सुविधा केंद्र से ग्रामीणों को अब गांव में ही बैंकिंग सेवाएं, सरकारी योजनाओं की जानकारी और दस्तावेजों की ऑनलाइन सुविधाएं मिलेंगी। कार्यक्रम में जल संरक्षण और एक राष्ट्र-एक चुनाव पर चर्चा की गई। सभी ने स्वच्छता की शपथ भी ली।कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य उदित नारायण सिंह, जनपद सदस्य रवि शंकर, जनपद सीईओ वैशाली सिंह, जिला सलाहकार राजेश जैन, विकास विस्तार अधिकारी कमल किशोर जायसवाल समेत कई अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

शराबी बेटे की हत्या में पिता-चाचा गिरफ्तार

बेटे ने शराब पीकर पिता को दी गालियां, गुस्से में डंडे से पीटकर मार डाला

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

मुंगेली जिले के थाना पथरिया क्षेत्र में एक पिता ने अपने शराबी बेटे की हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या के आरोप में पिता और चाचा को गिरफ्तार किया है। घटना 23 अप्रैल 2025 की रात करीब 9 बजे की है। ग्राम कंचनपुर में भोला श्रीवास शराब पीकर घर आया। उसने अपने पिता शिवचरण को गालियां देनी शुरू कर दीं और गला पकड़ लिया। शोर सुनकर चाचा राजेंद्र श्रीवास वहां आए। राजेंद्र ने पहले भोला को थप्पड़ मारे। इसके बाद गुस्से में आए शिवचरण ने आंगन में रखे बांस के डंडे से बेटे पर 5-6 वार किए। भोला जमीन पर गिर गया और उसके सिर से खून बहने लगा। राजेंद्र ने वारदात के बाद डंडे को छिपा दिया। रात 11 बजे शिवचरण ने गांव के कोटवार को सूचना दी कि उसका बेटा आंगन में खून से लथपथ पड़ा है। जांच में पाया गया कि भोला के सिर, पीठ, पैर, हाथ और भुजाओं पर गंभीर चोट के निशान थे। एसपी भोजराम पटेल के निर्देश पर पथरिया पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। पूछताछ में पता चला कि मृतक का अक्सर पिता से झगड़ा होता था। पुलिस ने शिवचरण से मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ की, जिसमें उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर पिता और चाचा दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

तेलंगाना बॉर्डर पर 6 नक्सलियों के मारे जाने की खबर

जवानों ने इलाके को घेरा, हेलीकॉप्टर से सुरक्षाबलों को पहुंचाया गया राशन

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छीसगढ़ और तेलंगाना राज्य की सीमा पर पुलिस और नसलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में करीब 6 नसलियों के मारे जाने और 2 जवान के जमी होने की खबर है। तेलंगाना, महाराष्ट्र और छीसगढ़ इन तीनों राज्यों के हजारों की संया में जवान ऑपरेशन पर हैं। जवानों ने करेंगट्टा, नडपल्ली, पुजारी कांकेर की पहाड़ी पर हिड़मा, दामोदर, देवा समेत कई बड़े लीडर और उनकी बटालियन को घेरा है। इसमें करीब 300 से ज्यादा नसलियों के होने की सूचना है। ऑपरेशन 3 दिनों से ज्यादा समय से चल रहा है। फोर्स अंदर है। जवानों के लिए रसद का सामान हेलिकॉप्टर के जरिए पहुंचाया जा रहा है। अनुमान लगाया जा रहा है कि करीब सप्ताहभर तक यह ऑपरेशन चलेगा। इस पूरे इलाके में फोर्स के करीब 2 से 3 हेलिकॉप्टर घूम रहे हैं। वहीं दर्जनों ड्रोन से इलाके की निगरानी रखी जा रही है। वहीं पहाड़ियों की कुछ श्रृंखला ऐसी है जो 40 से 50 मीटर खड़ी है। यहां छिपने के लिए नसलियों ने दर्जनों बंकर बना रखे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कह दिया है कि 31 मार्च 2026 तक पूरे देश भर से नसलियों का खात्मा कर दिया जाएगा। इसी के तहत अब फोर्स को फ्री हैंड दिया गया है। छीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में फोर्स एशन मोड पर है। अगर इस ऑपरेशन में जवान सफल होते हैं और नसलियों को भारी नुकसान होता है तो ये नसलवाद से आजादी की अंतिम लड़ाई साबित हो सकती है।

ढाई लाख कर्ज नहीं चुकाया, दी 5 लाख की सुपारी

झूठे केस में फंसाने की धमकी पर हत्या, जशपुर में बेटी ने पिता को मार डाला

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ में हत्या की दो घटनाएं सामने आई हैं। डोंगरगढ़ में दोस्त को ढाई लाख रुपये दिए उधार की वसूली के लिए ठेकेदार ने उसकी हत्या के लिए 5 से 6 लाख की सुपारी दे दी। आरोपी जब भी अपनी उधार दी रकम की मांग करता तो उसका दोस्त उसे झूठे केस में फंसाने की धमकी देता था। तो वहीं जशपुर में एक 15 वर्षीय नाबालिग ने अपने पिता की हत्या कर दी। नाबालिग अपने पिता के रोज शराब पीकर झगड़ा करने से परेशान थी। पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपियों को पकड़ लिया है। डोंगरगढ़ के करवारी रोड पर खून से लथपथ एक शव मिला। ग्रामीणों ने रात में सड़क पर खून से सना शव देखा तो डोंगरगढ़ थाना की पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त की तो उसकी पहचान कन्हारगांव निवासी देवलाल मंडावी के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाला तो पता चला कि देवलाल ग्राम करवारी निवासी योगेश चौरे के साथ स्कूटी से जाते दिखा। संदेह के आधार पर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो इस हत्याकांड में महेन्द्र नेताम और ओमकार मंडावी का नाम भी सामने आया है। पुलिस ने तीनों संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उन्होंने जुर्म कबूल कर लिया और साजिश की पूरी कहानी सामने आ गई। पुलिस ने बताया कि इस हत्याकांड का मुख्य आरोपी ओमकार मंडावी है, जो पेशे से ईंट भट्ठा ठेकेदार है और मृतक देवलाल मंडावी का पुराना दोस्त है। देवलाल ने ओमकार से सात साल पहले ढाई लाख रुपये उधार लिए थे। कुछ समय बाद जब वो उधार की रकम की मांग की तो देवलाल उससे झगड़ता, यहां तक कि झूठे केस में फंसाने की धमकी भी देता।घटना 21 अप्रैल की शाम की है। नाबालिग की मां मायके गई हुई थी। शराब के नशे में धुत पिता ने घर आते ही झगड़ा शुरू कर दिया। इस पर नाबालिग ने गुस्से में आकर टांगी से पिता के सिर पर वार कर दिया। पुलिस ने नाबालिग के पास से हत्या में प्रयुक्त टांगी बरामद कर ली है।

पिता को बेटी ने मार डाला

छीसगढ़ के जशपुर में एक 15 वर्षीय नाबालिग ने अपने पिता की हत्या कर दी। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर मामले को सुलझा लिया। जशपुर एसएसपी शशि मोहन सिंह के अनुसार, 22 अप्रैल 2025 को थाना बागबहार में एक 50 वर्षीय व्यति की मौत की सूचना मिली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जांच में पता चला कि नाबालिग ने पहले पड़ोसियों को बताया कि उसके पिता की हत्या किसी अज्ञात व्यति ने की है। पुलिस पूछताछ में नाबालिग ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

केस में फंसाने की देता था धमकी...

हत्या के एक सप्ताह पहले भी गांव में देवलाल ने ओमकार को फर्जी केस में फंसा देने की धमकी दी थी। ओमकार आए दिन देवलाल की धमकियों से परेशान हो गया है। ओमकार ने देवलाल को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। उसने यह बात अपने करवारी निवासी भांजे महेंद्र नेताम से बताई। महेन्द्र ने अपने दोस्त योगेश चौरे को हत्या के लिए तैयार किया। उसने कहा, देवलाल को जान से मारना है, मेरे मामा को बहुत परेशान कर रहा है। इसके बाद तीनों ने मिलकर देवलाल की हत्या की प्लानिंग की। ओमकार ने कहा, देवलाल को मारना है, जितना खर्चा लगेगा मैं दूंगा। तब योगेश बोला, इस काम के लिए 5-6 लाख रुपए लगेंगे तो ओमकार तैयार हो गया। प्लान के तहत देवलाल को बाइक के बहाने घर से बुलवाया। फिर उसे शराब पिलाई गई। 20 अप्रैल की रात, जब वह नशे में अकेले करवारी रोड की ओर गया, तभी महेन्द्र और योगेश ने उसका पीछा किया और सागौन की मोटी लकड़ी से सिर और चेहरे पर वार कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद दोनों फरार हो गए।पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल्स और सबूतों के जरिए तीनों आरोपियों को धर दबोचा। पूछताछ में उन्होंने जुर्म कबूल कर लिया।

महिला टीचर का रास्ता रोककर छेड़छाड़

पेंड्रा में मैथ्स के टीचर पर प्रताड़ना का आरोप, शादी के लिए बनाया दबाव

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में एक महिला शिक्षिका ने अपने सहयोगी पर गंभीर आरोपी लगाए है। पीड़िता ने बताया कि मैथ्स के टीचर संतोष श्रीवास्तव उन्हें लंबे समय से परेशान कर रहा है। आरोपी शिक्षक ने रास्ते में रोककर प्रेम प्रस्ताव दिया। इनकार करने पर शादी के लिए दबाव डाला। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने उसे बदनाम करने की भी धमकी दी। उनके पति को झूठे मामलों में फंसाने की बात कही। महिला शिक्षिका का आरोप है कि टीचर उनके घर तक पहुंचा और जबरन अंदर घुसने का प्रयास किया। केंवची के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का मामला है। पीड़िता ने जिला शिक्षा अधिकारी से लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। घटना ऐसे समय में सामने आई है जब कुछ दिन पहले ही मरवाही के पीएम श्री स्कूल में रेप का मामला सामने आया था। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों से महिला शिक्षकों में डर का माहौल है। छात्र और अभिभावक भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों और शिक्षा संगठनों ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। डीईओ जगदीश शास्त्री ने बताया कि मामले की जांच के लिए टीम बनाई गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पहलगाम हमले में मारे गए दिनेश का अंतिम संस्कार

बेटे शौर्य ने दी मुखाग्नि, पत्नी बेहोश हुईं, पाकिस्तानी झंडे पर थूक रहे लोग

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मारे गए छत्तीसगढ़ के कारोबारी दिनेश मिरानिया का रायपुर में अंतिम संस्कार किया गया। कारोबारी के बेटे शौर्य ने मुखाग्नि दी। सीएम साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने शव को कंधा दिया। आतंकी हमले को लेकर शहर में आक्रोश है। सड़कों पर पाकिस्तान के झंडे चिपका दिए हैं, आतंकियों की तस्वीरें लगा दी हैं, उसके ऊपर से लोग गुजर रहे हैं, थूक रहे हैं, गाली दे रहे हैं। वहीं अंतिम विदाई से पहले कारोबारी की पत्नी नेहा घर पर बेहोश हो गईं थी, फिलहाल उनकी हालत ठीक है। अंतिम यात्रा में राज्यपाल रामेन डेका, रमन सिंह भी मौजूद रहे। बता दें कि, दिनेश मिरानिया 45 को जिस दिन गोली मारी गई, उसी दिन उनकी शादी की सालगिरह थी। वह परिवार के साथ खुशियां मनाने बैसरन घाटी गए थे। वहां पत्नी नेहा, बेटा शौर्य और बेटी लक्षिता के साथ सेलिब्रेट कर रहे थे, तभी आतंकियों ने गोलियों से भून डाला।संगठन 2019 में अस्तित्व में आया। सरकार का मानना है कि ये लश्कर-ए-तैयबा का प्रॉसी आतंकी संगठन है। ये आतंकी संगठन जवानों और आम नागरिकों की हत्या के अलावा सीमा पार से ड्रग्स और हथियार की तस्करी में शामिल रहा है। जमू-कश्मीर के आतंकी संगठनों में 'द रजिस्टेंस फ्रंट' नया नाम है। 2019 में जमू-कश्मीर से आर्टिकल-370 हटाए जाने के बाद इसकी एटिविटी बढ़ी हैं। सुरक्षा मामलों के जानकार बताते हैं कि सीमा पार से हैंडलर्स ने ही लश्कर-ए-तैयबा की मदद से TF को खड़ा किया। पूर्व DGP एसपी वैद के मुताबिक, TRF में कुछ नया नहीं है, बस जैश और लश्कर के

जमीन से सोने का हंडा निकालने का झांसा देकर 14 लाख ऐंठे

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में खुद को तांत्रिक बताने वाले जालसाज ने सूरजपुर के एक बैंक कर्मचारी को करोड़पति बनाने का झांसा देकर उससे 14 लाख रुपए ठग लिए। उसने बैंक कर्मचारी से कहा कि, वह उसकी जमीन से हंडा (गड़ा धन) निकाल सकता है और तंत्र-मंत्र से वो "सोने का हंडा" बन जाएगा। लेकिन जब हंडा निकाला गया, तो उसमें से सिर्फ मिट्टी निकली।ये घटना साल 2022 की है। पीड़ित की शिकायत के बाद से आरोपी अब तक फरार था। 2 साल की तलाश के बाद सूरजपुर पुलिस ने इस ठग को कोरबा जिले के नकटीखार से गिरफ्तार कर लिया।करारा जवाब देंगे। सूरजपुर जिले के रमकोला के ग्राम खोंड़ निवासी अभिषेक प्रताप सिंह पेशे से एक बैंक कर्मचारी हैं। जून 2022 में उनकी मुलाकात बैंक में ही विमल सिंह ठाकुर नाम के एक व्यक्ति से हुई। विमल ने उन्हें बताया कि कोरबा जिले के नकटीखार का रहने वाला एक 'तांत्रिक' नरेश पटेल विशेष तंत्र विद्या जानता है। वो जमीन से गड़ा हुआ धन निकालकर उसे सोने में बदल सकता है।अभिषेक जल्द अमीर बनने की लालच में विमल के इस जाल में फंस गया और तंत्र-मंत्र कराने के लिए तैयार हो गया। इसके बाद विमल, नरेश और अपने एक

हंडा का लालच देकर 14 लाख वसूले...

नरेश ने अभिषेक के घर में तंत्र-मंत्र किया और जमीन से एक हंडा निकाला। फिर उसने कहा, जमीन से निकले इस हंडा को एक कमरे में बंद कर देगा। इस दौरान एक विशेष पूजा होगी, जिसके जरिए यह हंडा सोना में बदल जाएगा। उस जालसाज ने इस तांत्रिक क्रियाओं के नाम पर अभिषेक से कुल 14 लाख रुपए वसूल लिए गए। अभिषेक को हतों इंतजार कराया, कहा कि प्रक्रिया के बीच हंडा नहीं खोला जा सकता। जब आखिरकार हंडा खोला गया, तो उसमें सिर्फ मिट्टी निकली। तब अभिषेक को समझ आया कि उसके साथ एक बड़ा धोखा हुआ है।

ठगी होने पर पुलिस में की शिकायत...

ठगी का एहसास होते ही अभिषेक ने रमकोला थाने में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिर तार कर लिया था, लेकिन मुय आरोपी नरेश पटेल फरार हो गया था। सूरजपुर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी थानों को पुराने मामलों में फरार आरोपियों की तलाश तेज करने के निर्देश दिए थे। थाना प्रभारी विमलेश दुबे के नेतृत्व में एक टीम कोरबा भेजी गई। 20 अप्रैल 2025 को पुलिस ने नकटीखार से नरेश पटेल को गिर तार कर लिया। आरोपी ने बताया कि उसने ठगी की रकम को नकटीखार में मकान बनाने में खर्च कर दिया।

बालोद में दूल्हे ने ट्रैक्टर से निकाली बारात

दुल्हन की डिमांड की पूरी, कहा- ये किसानों की शान का प्रतीक

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में दूल्हा वेद प्रकाश अपनी दुल्हन दीपांजलि को लेने एक अलग अंदाज में पहुंचा। उसने महंगी कारों की जगह ट्रैक्टर का काफिला चुना। दूल्हे ने बताया कि यह अनोखा विचार उनकी होने वाली पत्नी का था। दुल्हन ने खास तरीके से बारात लाने की डिमांड रखी थी। इसलिए उन्होंने ट्रैक्टर को चुना, जो किसानों की शान का प्रतीक है।बारात साल्हे से भाटा गांव के लिए निकली। सजे-धजे दूल्हे के साथ उनके दोस्त भी ट्रैक्टर में सवार थे। आमतौर पर लोग एयर कंडीशन वाली गाड़ियों में बारात लेकर जाते हैं। लेकिन इस अनोखी बारात को देखकर राहगीर रुक-रुककर देखते रहे। दुल्हन के घर तक पूरी बारात ट्रैक्टर से ही पहुंची। वहां बारातियों का जोशीला स्वागत किया गया। अब इस शादी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग फोन के जरिए एक-दूसरे को यह वीडियो शेयर कर रहे हैं।

25 अप्रैल से कांग्रेस की संविधान बचाओ यात्रा

पूर्व CM बघेल बोले- जहां कांग्रेस की सरकार नहीं, वहां नेताओं को निशाना बनाया जा रहा

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

भिलाई के कोसानाला स्थित बुद्ध भूमि परिसर से 25 अप्रैल से कांग्रेस की संविधान बचाव यात्रा शुरू होगी। इसे लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। उन्होंने कहा कि, देश में कुछ अलग घटनाएं घट रही हैं। संविधान को तोड़ा मरोड़ा जा रहा है। विपक्षी दल के नेताओं को तोड़ा मरोड़ा जा रहा है। जहां कांग्रेस की सरकार नहीं है, वहां नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। उन्हें परेशान किया जा रहा है। भूपेश बघेल ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर कहा कि, यह केंद्र सरकार की चूक है। इस घड़ी में वो सभी केंद्र सरकार के साथ खड़े हैं, सरकार जो भी निर्णय लेगी, उसका वो समर्थन करेंगे। भूपेश ने कहा कि, इस सबके बीच भाजपा इतनी बड़ी घटना में भी आपदा में अवसर खोज रही है। वो देश में मीडिया के जरिए प्रचारित कर रही है कि, आतंकियों ने लोगों को उनका धर्म पूछ पूछकर मारा है। जाति का जिक्र ही नहीं किया। इसमें भी वो धर्म की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि, किसी ने केंद्र सरकार से यह नहीं पूछा कि वहां सुरक्षा को लेकर क्यों चूक हुई? सुरक्षा वहां क्यों नहीं थी? इंटेलिजेंस की भूमिका क्या थी? जबकि इससे पहले प्रधानमंत्री का वहां दौरा था, वो कैंसिल हुआ। इससे पहले गृहमंत्री ने समीक्षा बैठक की। इसके बाद भी इतनी बड़ी इंटेलिजेंस की चूक कैसे हो गई। इसके लिए कौन जिम्मेदार है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि, पहलगाम में 27 बेकसूर लोगों की मौत हुई है। इसका जिम्मेदार कौन है। उन्हें न्याय कब मिलेगा। हम सब भारत सरकार के साथ खड़े हैं। उनके निर्णय के साथ है, लेकिन वो इस बात का जवाब दे कि उनका जो इंटेलिजेंस फेल हुआ। उसके लिए जिम्मेदार कौन है। इस घटना के लिए जिम्मेदार कौन है।भूपेश बघेल ने संविधान यात्रा को लेकर कहा कि, देश में कुछ अलग घटनाएं घट रही हैं। संविधान को तोड़ा मरोड़ा जा रहा है। विपक्षी दल के नेताओं को तोड़ा मरोड़ा जा रहा है। जहां कांग्रेस पार्टी की सरकार नहीं है, वहां उनके क्षेत्रीय नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। उन्हें परेशान किया जा रहा है। जब कांग्रेस का कोई राष्ट्रीय अधिवेशन होता है, आईटी और ईडी की कार्रवाई करवा दी जाती है। रायपुर में राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ तो कांग्रेस नेताओं के घर में ईडी आईटी के अधिकारियों ने दबिश दी। जिससे कार्यक्रम फेल हो जाए। इसके बाद खड़गे ने एक अधिवेशन किया। उसमें राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा हु। वहीं भी इसी तरह की कार्य किया गया। देश में जब भी कांग्रेस आम जनता के हक, अधिकार और संविधान की बात करती है, तब केंद्र की भाजपा सरकार सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्ष को दबाने का काम करती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और संविधान खतरे में है, इसलिए अब इसकी रक्षा के लिए सड़क पर उतरना जरूरी हो गया है। इसी उद्देश्य से यह यात्रा भिलाई से शुरू की जा रही है, जिसमें प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और दुर्ग संभाग के सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल होंगे। इस यात्रा का उद्देश्य देश में संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद रायपुर से 800 बुकिंग कैंसिल

पर्यटक नहीं जाना चाहते कश्मीर

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 27 टूरिस्ट की गोली मारकर हत्या कर दी। अब इसका प्रभाव अब टूरिस्ट कारोबार पड़ रहा है। जम्मू-कश्मीर में सैकड़ों आतंकी हमले हुए, लेकिन टूरिस्ट कभी टारगेट नहीं रहे। अब छत्तीसगढ़ से कश्मीर घूमने के लिए जाने वाले लोग अपनी बुकिंग कैंसिल करवा रहे हैं। हर साल सीजन के दो महीनों में रायपुर से 8 से 10 हजार लोग कश्मीर घूमने जाते हैं। इस घटना के बाद से पिछले 2 दिनों में ही रायपुर से 800 से ज्यादा बुकिंग कैंसिल की गई है। रायपुर में 100 से अधिक टूर एड ट्रेवल्स एजेंसियां हैं। लगातार लोग उनकी ओर से की गई बुकिंग कैंसिल करवा रहे हैं। बता दें कि, फ्लाइट से आने-जाने पर एक कपल के लिए करीब 5 दिन के पैकेज में 50 हजार से डेढ़ लाख तक का खर्च आता है। वहीं, ट्रेन से आने-जाने पर 30 हजार से शुरुआत होती है।रायपुर में टूर एंड ट्रैवल्स के संचालक शब्बीर सैफी ने बताया कि, पहलगाम के हमले के बाद वहां गेस्ट डरे हुए हैं। रायपुर से 19 लोगों की फैमिली का एक ग्रुप कल वहां से चैक आउट करने वाला है। वे लोग घटना के एक दिन पहले पहलगाम में थे। रायपुर के सभी टूरिस्ट रायपुर होटल के अंदर हैं। होटल से बाहर नहीं निकल रहे हैं। शब्बीर ने बताया कि, हमारे यहां से अप्रैल के आखिरी महीने और मई के महीने में कश्मीर जाने के लिए बुकिंग थी। सभी ने अपना प्रोग्राम कैंसिल कर दिया है। छत्तीसगढ़ से कोई कश्मीर नहीं जाना चाहता है। टूर एंड ट्रैवल एंजेसी का संचालन करने वाली रुपाली साहू ने बताया कि, जम्मू कश्मीर की बुकिंग लोग कैंसिल कर रहे हैं। आज एक परिवार कश्मीर पहुंचने वाला था। जिनको हमने दिल्ली में उतरवा दिया और अभी पैकेज का पूरा रिफंड कराया जा रहा है। इसके साथ ही कुछ बुकिंग मई के पहले और दूसरे सप्ताह में की गई थी। सभी क्लाइंट ने अपनी बुकिंग कैंसिल करवा ली है।

शुभम की पत्नी योगी से बोली- कड़ा बदला चाहिए

उत्तर प्रदेश (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। चाचा नरेंद्र ने मुखाग्नि दी। पिता बगल में खड़े होकर रोते रहे। गुरुवार सुबह 11 बजे जब घर से ड्योढ़ी घाट के लिए शव यात्रा निकली तो पत्नी ऐशन्या चीख पड़ीं। पत्नी ने दो दिन से अपने पति की शर्ट पहन रखी थी। उन्होंने वह शर्ट उतारी, उसे सीने से लगाया, फिर फूट-फूटकर रोने लगीं। यह देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखें भर आईं। इससे पहले, सीएम योगी ने शुभम को श्रद्धांजलि दी और घरवालों से बातचीत कर उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान शुभम की पत्नी ने मुख्यमंत्री से कहा- आतंकियों ने मेरे सामने ही मेरे पति को गोली मारी। योगी जी, हमें कड़ा बदला चाहिए। आप इसका बदला लो। यह कहते हुए वह रोने लगीं।

वोल्वो सीई ने उत्तर भारत में नया डीलर पार्टनर बनाया टाइम इक्विपमेंट को

नई दिल्ली (एजेंसी)। वोल्वो कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट (वोल्वो सीई) इंडिया ने आज घोषणा की कि उसने टाइम इक्विपमेंट प्राइवेट लिमिटेड को दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश (एनसीएल सिंगरौली सहित) और उत्तराखंड के लिए अपना अधिकृत डीलर नियुक्त किया है। यह रणनीतिक कदम उत्तर भारत में वोल्वो सीई की ग्राहक पहुँच और सेवा नेटवर्क को और मजबूत करेगा। फरीदाबाद डीलरशिप मुख्य कार्यालय का उद्घाटन वोल्वो सीई इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री दिमित्रोव कृष्णन और हेड ऑफ प्रोडक्ट एंड रिटेल मैनेजमेंट श्री सुरत मेहता द्वारा किया गया। इस अवसर पर टाइम इक्विपमेंट के डायरेक्टर्स— श्री सचिन चिलाना, श्री सतीश पर्णामी, श्री आर.के. चिलाना और श्री विशाल पर्णामी अपने दल के साथ उपस्थित रहे। यह आयोजन ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने और सेवा उत्कृष्टता को और सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रहा।

पहलगाम हमले पर सर्वदलीय बैठक जारी,दो मिनट का मौन रखा गया, राजनाथ, शाह, खड़गे और राहुल मौजूद

पहलगाम/नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले को लेकर पार्लियामेंट एनेक्सी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में बैठक हो रही है। इसमें पलहगाम हमले में मारे गए लोगों के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

पहलगाम हमले को लेकर पार्लियामेंट एनेक्सी बिल्डिंग में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक जारी है। गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई नेता इसमें शामिल हैं। बैठक में पहलगाम हमले में मारे गए लोगों की आत्मा

की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। इससे पहले केंद्र सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर गुरुवार को पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सभी पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ना होगा, क्योंकि 27 अप्रैल से उनके वीजा रद्द कर दिए गए हैं। जिन्हें मेडिकल वीजा मिला है, उन्हें 29 अप्रैल 2025 तक भारत छोड़ना होगा। विदेश मंत्रालय ने भारतीयों को पाकिस्तान की यात्रा न करने की भी सलाह दी है। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी कल श्रीनगर जा रहे हैं। भारत ने गुरुवार दोपहर आईएनएस सूरत युद्धपोत से मिसाइल की टेस्टिंग की। टेस्टिंग सफल रही। सतह से समुद्र पर हमला करने का सफल परीक्षण किया गया। इससे पहले भारत की जवाबी कार्रवाई के डर से पाकिस्तान ने 24-25 अप्रैल को कराची तट से दूर अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र के भीतर सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण करने के लिए नोटिफिकेशन जारी किया था।

अटारी बॉर्डर पर रिट्रीट सेरेमनी में नहीं खोले गेट

अमृतसर(एजेंसी)। अमृतसर में अटारी बॉर्डर पर गुरुवार को रिट्रीट सेरेमनी के दौरान दोनों देशों के गेट नहीं खोले गए। बंद गेटों के बीच दोनों देशों के झंडे उतारे गए। इसके साथ क्क्स्न के जवानों ने पाक रेंजर्स से हाथ भी नहीं मिलाया।

वहीं सेरेमनी में लोगों की संख्या भी कम रही। रोजाना करीब 20 हजार लोग पहुंचते थे, लेकिन गुरुवार को सिर्फ 10 हजार लोग ही सेरेमनी में पहुंचे। इस दौरान लोगों ने हाथ में तिरंगा लेकर भारत माता की जय के नारे लगाए। प्रोटोकॉल ऑफिसर अरुण माहल ने कहा कि आज 105 भारतीय पाकिस्तान से भारत लौटे। 28 पाकिस्तानी नागरिक वापस पाकिस्तान गए हैं। सेरेमनी में कम लोगों के पहुंचने पर अरुण ने कहा कि पहलगाम में आतंकी

हमले के बाद लोगों में डर का माहौल है, लेकिन फिर भी यहां पहुंचे लोगों में उत्साह दिखा। सूत्रों के मुताबिक, अभी भारत में करीब 6 से 7 हजार पाकिस्तानी मौजूद हैं।

मधुबनी से पीएम मोदी ने दिया आतंकियों को कड़ा संदेश

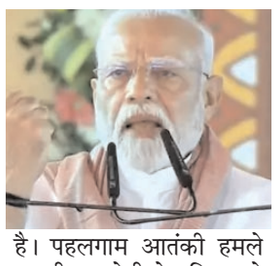

बोले- आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का समय आया, कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी

मधुबनी (एजेंसी)। पहलगाम अटैक के बाद गुरुवार को बिहार के मधुबनी पहुंचे पीएम मोदी ने कहा- पहलगाम के दोषियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलकर रहेगी। आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने भाई, किसी ने जीवन साथी खोया। इनमें से कोई बांग्ला बोलता था, कोई कन्नड़, कोई गुजराती था, कोई बिहार का लाल था। आज सभी की मृत्यु पर कारगिल से कन्याकुमारी तक हमारा आक्रोश एक जैसा

है। पहलगाम आतंकी हमले पर पीएम मोदी ने दुनिया को मैसेज देने के लिए मंच से अंग्रेजी में कहा, हम उन्हें धरती के अंतिम छोर तक खदेड़ेंगे। आतंकवाद से भारत की आत्मा कभी नहीं टूटेगी। आतंकवाद को सजा मिलेगी। न्याय सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। पूरा देश इस संकल्प में एक है। मानवता में विश्वास रखने वाला हर व्यक्ति हमारे साथ है। मैं विभिन्न देशों के लोगों और उनके नेताओं को धन्यवाद देता हूं जो हमारे साथ खड़े हैं। पीएम मोदी ने कहा- 22 अप्रैल को जम्मू- कश्मीर के पहलगाम में मासूम लोगों को जिस तरह से मारा है। उससे पूरा देश व्यथित है। उनके दुख में पूरा देश साथ खड़ा है। जिनका अभी इलाज चल रहा है, वे जल्द स्वस्थ हों इसके लिए भी सरकार प्रयास कर रही है।

पाकिस्तान शिमला समझौता स्थगित कर सकता है

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत के कड़े फैसलों के जवाब में पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच सभी द्विपक्षीय समझौते स्थगित करने की बात कही है। इसमें 1972 का शिमला समझौता भी शामिल है। पाकिस्तान की नेशनल सिक्योरिटी कमेटी में गुरुवार को ये फैसले लिए गए। इसकी अध्यक्षता पीएम शहबाज शरीफ ने की। एक दिन पहले भारत ने भी सिंधु जल समझौता स्थगित करने समेत 5 बड़े फैसले लिए थे। पाकिस्तान ने कहा कि अगर भारत सिंधु जल समझौते को रोकता है तो इसे एक्ट ऑफ

वॉर यानी जंग की तरह माना जाएगा। पाकिस्तान ने कहा, पाकिस्तान की संप्रभुता और सुरक्षा के लिए किसी भी खतरे का सभी क्षेत्रों में मजबूती से जवाब दिया जाएगा। हम किसी भी आतंकवादी गतिविधि की निंदा करते हैं। पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक एनसीएस की बैठक में कहा गया कि भारत में वक्फ विधेयक को जबरन पारित कराया गया, यह मुसलमानों को हाशिए पर डालने का प्रयास है।

जम्मू-कश्मीर में 24 घंटे में तीसरा एनकाउंटर, एक जवान शहीद

श्रीनगर (एजेंसी)। मुठभेड़ में सेना का एक हवलदार शहीद हो गया। गोलीबारी के दौरान वह घायल हो गए थे और बाद में अस्पताल में उनकी मौत हो गई। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच पिछले 24 घंटे में लगातार तीसरा एनकाउंटर चल रहा है। सुरक्षाबलों ने उधमपुर के डूडू बसंतगढ़ में कुछ आतंकियों को घेर लिया है। आतंकवादियों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। मुठभेड़ में सेना का एक

शहीद हवलदार झंटू अली शेख

हवलदार शहीद हो गया। व्हाइट नाइट कॉर्प्स और एलजी मनोज सिन्हा ने एक्स पर रैंक 6 पीएआए एसएफ के शहीद हवलदार झंटू अली शेख को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा - मुठभेड़ में फायरिंग के दौरान हमारे एक बहादुर को गंभीर चोटें आईं और बाद में इलाज के समय उसकी मौत हो गई। एनकाउंटर ऑपरेशन अभी भी जारी है। उधर, जम्मू-कश्मीर में बांदीपुरा पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा के चार ओवर ग्राउंड वर्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कुछ ओडब्ल्यूजी पुलिस और गैर स्थानीय लोगों पर हमला करने का मौका तलाश रहे थे।

पहलगाम के मृतकों को आखिरी विदाई

पुणे/बेंगलुरु/भावनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले मृतकों की गुरुवार को आखिरी विदाई हुई। गुजरात के भावनगर में मृतक पिता यतीशभाई सुधीरभाई परमार और बेटे स्मित यतीशभाई परमार का अंतिम संस्कार किया गया। सूरत में मृतक शैलेशभाई कलथिया को बेटे ने मुखाग्नि दी। बेटे ने हमले वाले दिन के बारे में बताया कि हम घुड़सवारी कर रहे थे, तभी आतंकवादी आ गए। हिंदू और मुसलमान को अलग होने के कहा। फिर कलमा पढ़ने को बोलने लगे। इसके बाद मुसलमानों को छोड़ दिया और हिंदुओं को गोली मारी दी। इधर पुणे में मृतक संतोष जगदाले का बेटी असावरी ने अंतिम संस्कार किया। इनके अलावा, बेंगलुरु के मंजूनाथ और भारत भूषण, पुणे के कौस्तुभ गणबोटे, ओडिशा के प्रशांत सतपथी और आंध्र

प्रदेश के मधुसूदन राव की अंतिम यात्रा में भारी भीड़ जुटी। वहीं, जयपुर में सीए नीरज उधवानी के पार्थिव शव के पास पत्नी आयुषी रोती रहीं। रायपुर में बेटे शौर्य ने मृतक पिता दिनेश मिरानिया के अंतिम संस्कार की रस्में निभाई। इंदौर के सुशील नथानियल को ईसाई रीति-रिवाज से अंतिम विदाई दी गई।

सुप्रीम कोर्ट में गोधरा कांड पर सुनवाई 6-7 मई को

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में 6 और 7 मई को 2002 के गोधरा कांड मामले में गुजरात सरकार और दोषियों की याचिकाओं पर सुनवाई होगी। जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस राजेश बिंदल की बेंच ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। बेंच ने बताया कि वह 6 और 7 मई को अंतिम सुनवाई शुरू करेगा। पूरी सुनवाई में कम से कम दो हफ्ते का समय लगेगा। 6 और 7 मई को पूरे दिन सुनवाई होगी। इस दौरान किसी अन्य मामले पर तब

तक सुनवाई नहीं होगी जब तक कि कोर्ट की तरफ से विशेष तौर पर नहीं कहा जाए। बेंच ने दोषियों में से एक की ओर से पेश वकील संजय हेगड़े से 3 मई तक अपनी दलीलों को कोर्ट में जमा करने का निर्देश दिया है।

गौतम गंभीर को जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर को जान से मारने की धमकी मिली है। बुधवार को आईएसआईएस कश्मीर नाम की मेल आईडी से दो मेल आए। दोनों में लिखा था- आई किल यू। इसके बाद गौतम ने गुरुवार को दिल्ली के राजेंद्र नगर थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। गंभीर ने पुलिस से परिवार और करीबी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की है। गंभीर को नवंबर 2021 में भी धमकीभरा मेल आया था। तब वे पूर्वी दिल्ली से सांसद थे। गंभीर ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की थी गंभीर ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की निंदा की और इसका करारा जवाब देने की मांग की थी। गंभीर ने एक्स पर लिखा था कि मृतकों के परिवारों के लिए प्रार्थना। इसके लिए जिम्मेदार लोगों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

अखिलेश बोले- कानपुर में शुभम के घर नहीं जाऊंगा

लखनऊ (एजेंसी)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को कहा- कानपुर में शुभम द्विवेदी के घर हम नहीं जा रहे। भाजपा वहां कुछ भी करा सकती है। इसलिए सावधान रहना चाहिए। जब मैं मुख्यमंत्री था, तब एक फौजी के यहां गया था। उस कमरे में आरएसएस के लोग बैठे हुए थे। उन्होंने क्या करवाया था। आप पता करवा लीजिएगा। शुभम को पहलगाम में

आतंकियों ने पत्नी ऐशन्या के सामने गोली मार दी थी। गुरुवार सुबह शुभम का अंतिम संस्कार कानपुर में किया गया। सीएम योगी शुभम के घर पहुंचे थे। वहां पत्नी ऐशन्या से योगी से रोते हुए कहा कि कड़ा बदला चाहिए। पहलगाम आतंकी हमले पर अखिलेश ने कहा- सरकार कड़ी कार्रवाई करे, क्योंकि आतंकवादी का कोई धर्म नहीं होता। उनका मकसद लोगों में डर पैदा करना होता है। देश और प्रदेश के कारोबार को रोकना होता है।

बीड़ी पीने पर जीआरपी जवान ने ट्रेन में पीटा, मौत

टीकमगढ़ (एजेंसी)। टीकमगढ़ के रामदयाल अहिरवार (60) की गोंडवाना एक्सप्रेस में यात्रा के दौरान मौत हो गई। बेटे का आरोप है कि जीआरपी जवान ने पिता के साथ मारपीट की थी। इससे उनकी तबीयत बिगड़ी और उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना 22 अप्रैल की रात की है। पलेरा के रहने वाले रामदयाल अहिरवार अपने बेटे के साथ ललितपुर से दिल्ली जा रहे थे। रात करीब ढाई बजे वे वॉशरूम गए। फिर ट्रेन के गेट पर खड़े होकर बीड़ी पीने लगे। इसी दौरान स्लीपर कोच में

रामदयाल आहिरवार, मृतक

तैनात जीआरपीएफ जवान आजाद ने उन्हें पकड़ लिया। जब रामदयाल वापस अपनी सीट पर आए तो उनकी हालत खराब थी। बेटे विशाल ने कहा- जवान आजाद ने पिता से स्लीपर कोच में ले जाकर मारपीट की। उन्होंने लौटकर पूरी बात बताई और फिर अचानक गिर पड़े। इसी दौरान उनकी मौत हो गई। उधर, जवान आजाद और उसके एक साथी ने कहा कि उन्होंने रामदयाल को बीड़ी पीने से मना किया था।

वह बहस करने लगा तो सिर्फ एक थप्पड़ मारा था। विशाल अहिरवार ने बताया कि वह दिल्ली जाने के लिए पिता रामदयाल के साथ गोंडवाना एक्सप्रेस के जनरल कोच में सवार हुआ था। उनको हजरत निजामुद्दीन स्टेशन पर उतरना था। यहां से पालम गांव पहुंचना था, जहां वह काम करता है।

पाकिस्तानी रेंजर्स ने पंजाब बॉर्डर पर बीएसएफ जवान पकड़ा

अमृतसर (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। इसी बीच पाकिस्तानी रेंजर्स ने पंजाब के इंडो-पाक बॉर्डर पर क्क्स्न के जवान को हिरासत में लिया है। जिस दौरान उसके हाथ से एके-47 भी छीन ली गई। हिरासत में लेने के बाद वे जवान को अपने साथ ले गए। इसके बाद पाकिस्तानी मीडिया में जवान की 2 फोटो जारी की गईं। एक फोटो में आंख पर पट्टी बांधी गई है तो दूसरी में बीएसएफ जवान एके-47 और पानी की बोतल के साथ खड़ा है। पकड़ा गया बीएसएफ जवान पीके सिंह मूल रूप से कोलकाता के जिला हुगली का रहने वाला है। अभी तक उसे छोड़ा नहीं गया है। बीएसएफ के अधिकारी लगातार पाक रेंजर्स के संपर्क में हैं। हालांकि, सूत्रों से पता चला है कि पाक रेंजर्स फिरोजपुर के हुसैनीवाला में फ्लैग मीटिंग के लिए नहीं आ रहे हैं। जिसके चलते बात सिरे नहीं चढ़ पाई है। उधर, अभी तक बीएसएफ की तरफ से कोई बयान भी नहीं आया है। दरअसल श्रीनगर से बीएसएफ की बटालियन-24 ममदोट में आई है।

बुधवार की सुबह किसान अपनी कंबाइन मशीन लेकर खेत में गेहूं काटने गए थे। यह खेत फेंसिंग पर लगे गेट नंबर-208/1 के पास था। किसानों की निगरानी के लिए दो बीएसएफ जवान भी उनके साथ थे। उसी समय एक जवान गलती से बॉर्डर पार कर गया। तभी पाकिस्तानी रेंजर्स बीएसएफ की चेक पोस्ट जल्लोके पर आ गए। उन्होंने बीएसएफ जवान को पकड़ लिया और उसका हथियार भी ले लिया। जानकारी के मुताबिक जो जवान पकड़ा गया है, वह कुछ दिन पहले ट्रांसफर होकर आया था। उसे जीरो लाइन का पता नहीं था। किसान अपनी फसल की कटाई के लिए मशीन लेकर गए थे। इस दौरान 2 जवान भी उसके साथ थे। गर्मी ज्यादा होने के चलते वह एक पेड़ के नीचे बैठ गया।

आतंकी हमला...टूरिस्ट गाइड ने छत्तीसगढ़ के लोगों की बचाई जान

मनेंद्रगढ़ (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के दौरान एक टूरिस्ट गाइड ने 11 लोगों की जान बचाई। 4 परिवारों के ये लोग छत्तीसगढ़ के चिरमिरी से हैं जिनमें बच्चे भी थे। इनमें एक बीजेवॉयएम नेता, एक बीजेपी महिला पार्षद, एक पूर्व पार्षद भी है। अब ये लोग टूरिस्ट गाइड नजाकत अली का एहसान नहीं भूलेंगे। ऐसा बीजेवॉयएम नेता अरविंद अग्रवाल ने खुद नजाकत के साथ फोटो पोस्ट कर लिखा है। वहीं, नजाकत ने भी खौफनाक मंजर की आंखों देखी शेयर की। नजाकत अहमद शाह ने बताया कि छत्तीसगढ़ से 4 कपल 17 अप्रैल को घूमने आए थे। मैंने उन्हें श्रीनगर, गुलमर्ग, कश्मीर घुमाया और आखिरी में पहलगाम घूमना बाकी थी। पहलगाम में हमारा घर है और हमें उनकी मेहमान नवाजी करनी थी। 22 अप्रैल को 12 बजे पहलगाम के बैसरन में हम घूमने निकले थे। इसे मिनी स्विट्जरलैंड कहते हैं। सभी लोग मैगी खा रहे थे फोटो खिंचवा रहे थे। बच्चों को लेकर मैं बैसरन घाटी से पहलगाम की तरफ भागा। इसके बाद बाकी मैं सबको इनोवा में बिठाकर होटल छोड़ा।

2 लोग जो पीछे रह गए थे उन्हें फिर लेने गया। सभी सही सलामत मेरे मेहमान वापस आ गए। कश्मीर के निवासी

नजाकत अली हर साल सर्दियों में कश्मीरी शॉल और गर्म कपड़े बेचने के लिए चिरमिरी परिवार के साथ आते हैं। उनका पूर्व पार्षद शिवांश जैन से घनिष्ठ संबंध बना हुआ है। चिरमिरी के 11 लोग जब पहलगाम पहुंचे थे तो नजाकत अली ने उन्हें घुमाने की जिम्मेदारी ली थी। पूर्व पार्षद शिवांश जैन ने घटना के बाद परिजनों से फोन कर बताया कि, जब गोली चलने लगी तो उनके साथ कश्मीर के व्यवसायी नजाकत अली ने सामने आकर सभी को बाहर निकाला। सुरक्षित स्थान पर ले गए। नजाकत अली ने जो मानवता और कश्मीरियत की मिसाल पेश की है, उससे चिरमिरी के लोग भी गदगद हैं। कुलदीप स्थापक, उनकी पत्नी पूर्वा स्थापक जो नगर निगम चिरमिरी के वार्ड क्रमांक-12 की पार्षद हैं। वहीं अरविंद अग्रवाल युवा मोर्चा नेता हैं उनका परिवार, साथ ही हैप्पी बधावान और पूर्व पार्षद शिवांश जैन का परिवार कश्मीर घूमने गया था।

रोहित का अर्धशतक, मुंबई इंडियंस की चौथी जीत

हैदराबाद (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल के 18वें सीजन में लगातार चौथा मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल के टॉप-3 में एंट्री कर ली है। टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हराया। मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने लगातार दूसरे मैच में फिफ्टी लगाई। ट्रेंट बोल्ट ने 4 विकेट लिए। हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में मुंबई ने बॉलिंग चुनी। सनराइजर्स हैदराबाद ने 35 रन के अंदर 5 विकेट गंवा दिए। यहां से हेनरिक क्लासन और अभिनव मनोहर ने 99 रन की पार्टनरशिप की और टीम को 143 तक पहुंचाया। मुंबई ने 3 विकेट खोकर 16वें ओवर में ही टारगेट हासिल कर लिया।

जायंट्स के पास अभी भी है प्लेऑफ में पहुंचने का अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल में टीमों ने आधे से अधिक लीग मैच खेल लिए हैं और अब प्लेऑफ के लिए सभी टीम अपना जोर लगा रही हैं। गुजरात टाइटंस पहले और दिल्ली कैपिटल्स दूसरे जबकि रॉयल चैलेंजस बेंगलुरु तीसरे स्थान पर है। वहीं पंजाब किंग्स चौथे नंबर पर है। इन चारों के अलावा पांचवे नंबर पर चल रही लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम भी प्लेऑफ की दावेदार बनी हुई है हालांकि दिल्ली कैपिल्स से मिली हार के बाद उसे झटका लगा है।

जायंट्स ने अब तक ने अब तक 9 मैच खेलने के बाद 5 जीत से कुल 10 अंक हासिल किए हैं। टीम के पास अभी 5 मुकाबले बचे हैं जिसमें उसको कम से कम चार जीत की जरूरत होगी। अगर 18 अंक तक लखनऊ की टीम पहुंच जाए तो उसकी जगह शीर्ष 4 में लगभग पक्की हो जाएगी। अगले चार मैच में जीत के बाद नेट रन रेट के सहारे टीम अगले दौर में जगह बना सकती है। दिल्ली कैपिटल्स से मिली हार के बाद अब लखनऊ की टीम का अगला मुकाबला 27 अप्रैल को मुंबई इंडियंस से होगा। इसके बाद पंजाब किंग्स के साथ वह खेलेगी। इन दोनों मुकाबलों के बाद लखनऊ के प्लेऑफ में पहुंचने की स्थिति स्पष्ट होगी। इसके बाद रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु, गुजरात टाइटंस और आखिरी लीग मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से टीम को खेलना है। इस समय अंक तालिका में गुजरात टाइटंस की टीम 8 में से 6 मैच जीतकर शीर्ष पर है। वहीं दिल्ली कैपिटल्स की टीम नेट रन रेट के आधार पर दूसरे नंबर पर है।

वेतन के मामले में युवराज से पीछे हैं अभिषेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा आजकल चर्चाओं में बने हुए हैं। आईपील के इस सत्र में उन्होंने 141 रनों की तूफानी पारी खेलकर सभी का ध्यान खींचा है। आक्रामक अंदाज के कारण उनकी तुलना पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह से भी होती है। इसका एक कारण ये है कि युवराज उनके गुरु भी हैं। अभिषेक ने दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए 2018 सत्र में डेब्यू किया था। इन पांच साल में इस क्रिकेटर ने 1600 से अधिक रन बनाये हैं। इस सत्र के लिए सनराइजर्स हैदराबाद ने अभिषेक को 14 करोड़ रुपये में रिटेन किया था पर इसके बाद भी वह वेतन के मामले में युवराज से पीछे हैं। युवराज ने साल 2008 में किंग्स इलेवन पंजाब के लिए आईकॉन खिलाड़ी के तौर पर शुरुआत की थी पर उन्हें सबसे अधिक राशि 2015 सीजन में दिल्ली डेयरडेविल्स की ओर से 16 करोड़ रुपये मिली थी। युवराज 2019 तक आईपीएल में खेले। युवराज को आठवें सत्र में 16 करोड़ रुपये मिले थे। वहीं अभिषेक भी अपना आठवां आईपीएल सीजन खेल रहे हैं पर उन्हें 14 करोड़ रुपये ही मिले हैं। अब तक के आठ आठ सत्र की तुलना करें तो उन्हें युवराज से 2 करोड़ रुपये कम मिले हैं।

क्रिकेट के भगवान कहे जाते हैं सचिन तेंदुलकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज यानी की 24 अप्रैल को क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर अपना 52वां जन्मदिन मना रहे हैं। कोई सचिन को मास्टर ब्लास्टर कहता है, तो कोई रिकॉर्डों का बादशाह कहता है। उन्होंने करीब 24 सालों तक क्रिकेट के मैदान पर राज किया है। वह कई शतक लगा चुके हैं, जिसको तोड़ पाना किसी भी खिलाड़ी के लिए बहुत मुश्किल है। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर सचिन तेंदुलकर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

मुंबई में 24 अप्रैल 1973 को सचिन तेंदुलकर का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम रमेश तेंदुलकर था, जोकि एक फेमस मराठी उपन्यासकार और कवि थे। वहीं उनकी मां का नाम रजनी तेंदुलकर था और वह एक बीमा कंपनी में काम करती थीं। सचिन को बचपन से ही क्रिकेट खेलने का शौक था।

क्रिकेट करियर

सचिन तेंदुलर ने पहले कोच रमाकांत आचरेकर की देखरेख में क्रिकेट की बारीकियों को सीखा। फिर उन्होंने मुंबई की गलियों में क्रिकेट खेलकर अपने खेल और कौशल को निखारने का काम किया। सचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर की शुरुआत 15 नवंबर 1989 को पाकिस्तान के खिलाफ कराची में किया था। उस दौरान सचिन की उम्र 16 साल थी। वह दुनिया के सबसे कम उम्र में टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी बन गए थे। साल 1990 में इंग्लैंड ने पहला टेस्ट शतक 1990 में इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर में बनाया था।

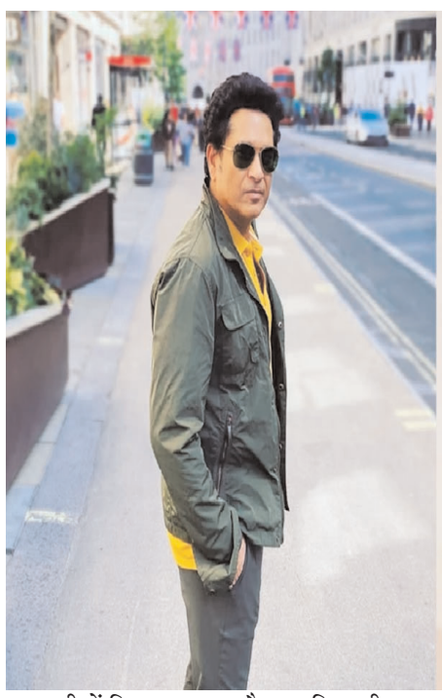

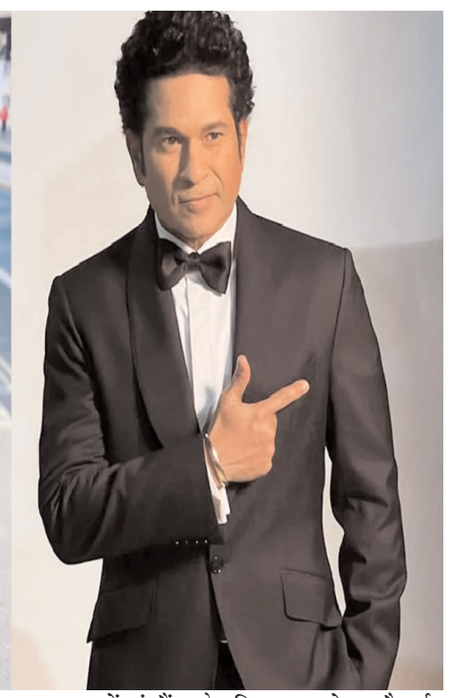

वनडे क्रिकेट में लगाए शतक

मास्टर-ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने वनडे क्रिकेट में 49 शतक लगाएं हैं। उन्होंने पहला वनडे शतक साल 1994 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाया था। फिर साल 1996 के वनडे वर्ल्ड कप में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था। साल 2003 के वनडे वर्ल्ड कप में भी सचिन ने अहम भूमिका निभाई और भारत को फाइनल तक पहुंचाया। बता दें कि सचिन तेंदुलकर ने 463 मैचों की 452 पारियों में 44.83 औसत से 18,246 रन बनाए।

एक युग का समापन

बता दें कि 16 नवंबर 2013 का दिन भारतीय क्रिकेट के इतिहास में अमर रहेगा। इस दिन सचिन तेंदुलकर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। वेस्टइंडीज के खिलाफ सचिन तेंदुलकर ने करियर का आखिरी टेस्ट मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला था।

सम्मान

वहीं सचिन तेंदुलकर को कई पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। साल 2014 में सचिन को भारत रत्न से सम्मानित किया गया और यह सम्मान पाने वाले वह पहले खिलाड़ी थे। इससे पहले साल 1994 में उनको अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। साल 1997 में राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार, 1999 में पद्मश्री और साल 2008 में पद्मविभूषण से सम्मानित किया गया था।

टी20 विश्व कप के बाद मेरी उपेक्षा हुई -आमिर

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने कहा कि टी20 विश्व कप 2024 के बाद ही उनकी उपेक्षा शुरु हो गयी थी। आमिर और इमाद वसीम ने पिछले साल के टी20 विश्व कप में खेलने के लिए संन्यास से वापसी की थी पर पाक टीम का प्रदर्शन काफी खराब रहा था वह सुपर आठ चरण में भी नहीं पहुंच पायी। इन दोनों खिलाड़ियों ने पिछले साल दिसंबर में संन्यास की घोषणा की थी।

आमिर ने कहा, 'टी20 विश्व कप के बाद मुझे लगा कि मुझे नजरअंदाज कर दिया है। टी20 विश्व कप समाप्त होने के बाद किसी ने मेरे से बात तक नहीं की। किसी ने मुझे नहीं बताया कि मैं भविष्य की योजनाओं का हिस्सा हूं या नहीं। एक समझदार व्यक्ति संकेतों को समझता है- यदि आप योजनाओं में नहीं हैं तो आपको अपने बारे में सोचना होगा। मैंने ठीक यही किया। मैंने अब अपना मन बना लिया है कि अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलना है।

इस तेज गेंदबाज ने इससे पहले दिसंबर 2020 में 28 साल की उम्र में कोच मिस्बाह उल हक और वकार यूनिस के साथ मुद्दों का हवाला देते हुए से संन्यास ले लिया था। आमिर ने कहा कि जब पीसीबी ने उन्हें अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले विश्व कप में खेलने के लिए कहा तो उन्होंने काउंटी क्रिकेट खेलने के अनुबंध को स्वीकार करने से भी इंकार कर दिया था। आमिर ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैंने जितना कमाया उससे ज्यादा पैसा खर्च कर दिया। मैं अपने ट्रेनर के साथ यात्रा करता था और वो सारा खर्च मेरी जेब से होता था।

गंभीर को आतंकी संगठिन ने जान से मारने की धमकी दी

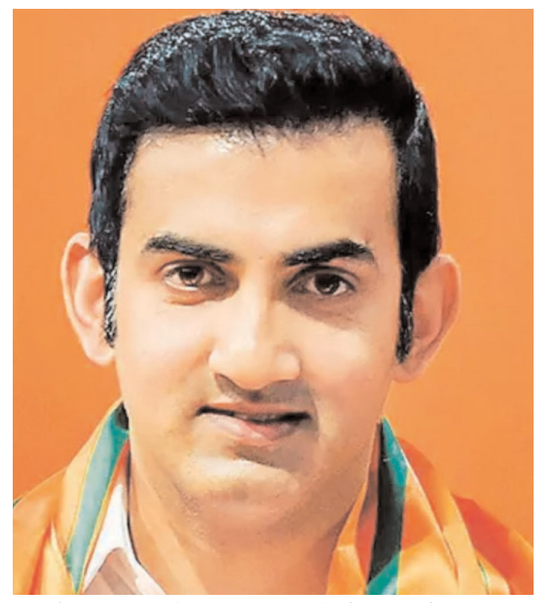

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को आईएसआईएस कश्मीर नाम के एक आतंकी संगठन ने जान से मारने की धमकी दी है। गंभीर को ईमेल के जरिए ये धमकी दी गयी है। इस मामले की पुलिस ने जांच शुरु कर दी है। इसके साथ ही उनकी परिवार की सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। धमकी मिलने के बाद गंभीर ने दिल्ली पुलिस को सूचना दी थी और कहा था कि उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। गंभीर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद भी हैं। इससे पहले भी साल 2021 में भी उन्हें इसी तरह की एक धमकी मिली थी।

गौरतलब है कि पहलगाम हमले की गंभीर ने कड़ी आलोचना करते हुए कहा था कि इस मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, पीड़ित परिवारों के लिए प्रार्थना करता हूं। इस हमले के जिम्मेदार लोगों को इसकी कीमत चुकानी होगी। भारत इसके खिलाफ हमला करेगा। गौरतलब है कि बुधवार को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की सुरक्षा संबंधी समिति की बैठक हुई थी। इसमें भारत सरकार ने पाक के खिलाफ कड़े कूटनीतिक कदम उठाये हैं।

आईएसआईएस कश्मीर, जिसे इस्लामिक स्टेट जम्मू एंड कश्मीर (आईएसजेके) भी कहते हैं, एक आतंकवादी संगठन है। इसे आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है। यह आईएसआईएस का ही एक हिस्सा है और जम्मू और कश्मीर में काम करता है। यह संगठन 2016 के आसपास बना था।

शुभमन ने बीच की पुरानी तस्वीर साझा की

मुम्बई (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने सोशल मीडिया में एक पुरानी तस्वीर साझा की है। इसमें शुभमन अपनी बहन शहनील के साथ बीच पर बैठे नजर आ रहे हैं। शुभमन ने इस तस्वीर को थ्रोबैक की तरह पोस्ट किया है। शुभमन ने जैसे ही यह तस्वीर पोस्ट की। सोशल मीडिया पर बैठे लाखों प्रशंसको ने इसे पसंद किया है। शहनील कई बार आईपीएल मैचों के दौरान दर्शक दीर्घा में बैठकर शुभमन का हौसला बढ़ाती हुई नजर आयी हैं। एक और जहां पूरा देश पहलगाम आतंकी हमले के कारण दुख में डूब हुआ है। वहीं शुभमन के इस प्रकार की तस्वीर पोस्ट करने की कई लोगों ने आलोचना भी की है। शुभमन ने हालांकि इससे पहले की अपनी पोस्ट में पलगाम अटैक की कड़ी आलोचना की थी। सोशल मीडिया पर प्रशंसक ने लिखा, शुभमन तुम कुछ दिन इंतजार कर सकते थे। एक प्रशंसक ने लिखा- थ्रो बैक फोटो साझा करना सबका अधिकार है पर आपको ये भी देखना चाहिये कि कैसा समय है।

सीएसके के खराब प्रदर्शन से चिन्तित नहीं-विश्वनाथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल में इस बार पांच बार की चैम्पियन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) अपने खराब प्रदर्शन के लिए प्रशंसकों के निशाने पर है। सुरेश रेना सहित कई क्रिकेटरों का कहना है कि टीम में जीत की भूख नहीं है। वहीं टीम के सीईओ काशी विश्वनाथन ने कहा कि आईपीएल मुकाबले केवल एक खेल है। एक फ्रेंचाइजी के तौर पर सीएसके कभी नहीं घबराती और अपने प्रदर्शन को लेकर परेशान नहीं है।

सीएसके इस सत्र में लगातार मिली हार के बाद अंक तालिका में सबसे नीचे है। टीम की बल्लेबाजी कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के बाहर होने के बाद कमजोर हुई है। सीएसके के सीईओ ने अपनी टीम के प्रदर्शन के बारे में कहा, 'हम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। हम सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं और हम अगले कुछ मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करने के प्रयास करेंगे। हम अपनी फ्रेंचाइजी के प्रदर्शन को लेकर कभी घबराते नहीं, यह सिर्फ एक खेल है। गायकवाड़ की अनुपस्थिति में महेंद्र सिंह धोनी टीम की कमान संभाल रहे हैं पर मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि उनके पास कोई जादू की छड़ी नहीं है जिससे वे रातों-रात टीम के प्रदर्शन को बदल देंगे। मुंबई इंडियंस से हार के बाद सुपरकिंग्स को प्ले ऑफ की उम्मीद जीवंत रखने के लिए अपने बाकी बचे सभी मुकाबले जीतने होंगे। वहीं धोनी को लेकर विश्वनाथन ने कहा, 'देखिए, यह किसी एक का सवाल नहीं है। यह सवाल है कि टीम को अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए, ना कि सिर्फ एक व्यक्ति को। हम टीम प्रबंधन से बात नहीं करते। धोनी वही करेंगे जो टीम के लिए सही होगा।।

आतंकी हमले के बाद बोले क्रिकेटर दानिश कनेरिया, पीएम शहबाज शरीफ पर जमकर भड़के

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व लेग स्पिनर रहे दानिश कनेरिया ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर जमकर अपने ही देश के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को लताड़ लगाई है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 28 लोगों की मौत हो गई है। इस घटना के बाद दुनिया भर में आक्रोश फैला हुआ है।

इस आतंकी हमले के बाद दानिश कनेरिया भी आग बबूला हो गए है। इस पूरे मामले पर पाकिस्तान द्वारा चुप्पी साधने को लेकर दानिश कनेरिया ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ पर कड़ा प्रहार किया। दानिश कनेरिया ने कहा कि शरीफ सच जानते हैं फिर भी आतंकवाद के खिलाफ उन्होंने एक शब्द नहीं बोला लेकिन उसे बढ़ावा ही दे रहे है। दानिश कनेरिया अपने मुखर अंदाज के लिए काफी चर्चित रहते हैं। अपनी इसी बेबाक अंदाज के साथ उन्होंने कश्मीर में हुए आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक पर एक पोस्ट में कहा कि शरीफ की खामोशी बहुत कुछ बयां कर रही है। यह इशारा है कि आतंकवाद को पाकिस्तान में संरक्षण दिया जा रहा है। बता दें कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दानिश कनेरिया काफी रोष में है। इस हमले के बाद उन्होंने कई ट्वीट सोशल मीडिया पोस्ट पर किए हैं। दानिश कनेरिया ने अपने पोस्ट में प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को भी टैग किया है। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा कि अगर पाकिस्तान का पहलगाम आतंकी हमले में कोई हाथ नहीं है तो प्रधानमंत्री ने अब तक इस हमले की निंदा क्यों नहीं की है। आपकी सेना अचानक हाई अलर्ट पर क्यों आ गई। आप सच जानते हैं कि आप आतंकियों को बना दे रहे हैं और उन्हें बढ़ावा दे रहे है। आपको शर्म आनी चाहिए। बता दें कि दानिश कनेरिया खुद इस आतंकी हमले के बाद काफी विचलित हो गए हैं। एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि आतंकी हमले में कभी कश्मीरी मुसलमान को निशाना क्यों नहीं बनाया गया। आतंकी हमले हिंदुओं पर ही क्यों होते हैं। यह हमने सिर्फ कश्मीरी पंडित या फिर भारत के अलग-अलग जगह से आए हुए हिंदू पर्यटकों पर क्यों हुए। आतंकवाद चाहे जैसा भी हो उसकी कीमत पूरी दुनिया चुका रही है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब मैं पाकिस्तान की जर्सी जी से पहनता था। मैदान पर खून पसीना बहाया लेकिन मेरे साथ भी वही हुआ जो पहलगाम हमले के पेड़ों के साथ सिर्फ इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वह हिंदू है। आतंकवाद का समर्थन करने वालों को शर्म आनी चाहिए।

मैं इंसानियत के साथ हूं। दानिश ने एक कन्या ट्वीट में लिखा कि मैं जब भी कुछ रिपीट करता हूं तो कुछ भारतीय मुस्लिम लोग इससे नाराज हो जाते हैं, मैं सच में जानना चाहता हूं बस एक सवाल पूछ रहा हूं।

बिना वाइब्रेटर का इस्तेमाल किए कराया जा रहा गुणवत्ताहीन नाली का कार्य

540 करोड़ की लागत से बाईपास सड़क बनाने वाली केसीसी कंपनी के पास ₹500 के बाइब्रेटर की कमी

बाईपास सड़क के निर्माण पर की जा रही लीपापोती

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर की यातायात व्यवस्था के भार को कम करने शासन ने चोरहटा से रतहरा के लिए बाईपास सड़क के निर्माण का कार्य केसीसी नामक निजी कंपनी के हाथों पर सौंपा है जिसके लिए करीब 540 करोड़ की लागत से 4 लेन सड़क के साथ ही सर्विस रोड बनाने का कार्य प्रारंभ हुआ है जिसके शुरुआती कार्यों में सड़क की सफाई कर दोनों तरफ की चौड़ाई को बढ़ा दिया गया है तथा निर्माणकार्य प्रारंभ होने पर निर्माण एजेंसी नाली बनाने का कार्य शुरू कर चुकी है परंतु कंपनी ने अभी तक के काम में जहां तक नाली का निर्माण कार्य किया है वह लगभग समस्त कार्य गुणवत्ता विहीन ही है और बिना बाइब्रेटर का इस्तेमाल किए हुए ही नाली निर्माण का कार्य लगातार जारी है।

बताया जा रहा है कि सड़क निर्माण के साथ ही नाली निर्माण कार्य में वाइब्रेटर का उपयोग अनिवार्य होता है जिससे सटीक व्यवस्था वाली नाली बने मगर कंपनी के द्वारा मानक के विपरीत कार्यों को हवा हवाई में पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है और ऐसे गुणवत्ता विहीन कार्य कर वह अपना पल्ला झड़ना चाह रहे हैं।

बाईपास से जुड़े गांवों के स्थानीय निवासियों की माने तो कंपनी ने जिस गति से लापरवाही पूर्वक सड़क निर्माण का कार्य शुरू किया है ऐसे में बाईपास सड़क निर्माण के साथ ही ध्वस्त होने की स्थिति में बनेगी । आरोप है कि जिस कंपनी ने 540 करोड़ का काम लिया है उसके पास 500 रुपए का बाइब्रेटर नहीं है तथा जब से काम शुरू हुआ है तभी से कंपनी के वर्कर और इंजीनियर मानक विपरीत कार्य करते जा रहे हैं और इस कार्य की सटीक ढंग से देखरेख भी नहीं की जा रही है।

दरअसल बाईपास का निर्माण 19.300 किलोमीटर की लंबाई में किया जाएगा। जिसके लिए करीब 60 मीटर की चौड़ाई भी सुनिश्चित की गई है वहीं इस बाईपास में सर्विस लेन और ड्रेनेज सिस्टम भी रहेगा। ड्रेनेज सिस्टम से जहा बारिश का पानी हाइवे में नहीं रूकेगा। साथ ही सर्विस लेन बनाने से गांव के वाहन को हाइवे में आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस प्रोजेक्ट में 2 मेजर जंक्शन के साथ माइनर जंक्शन का निर्माण भी किया जाएगा। जिससे हाइवे में वाहनों के टकराने की स्थिति नहीं बनेगी। इसके साथ ही बाईपास सड़क के निर्माण में 2 मेजर ब्रिज और 3 माइनर ब्रिज का निर्माण भी किया जाएगा। परंतु कार्य के शुरुआत में ही इस तरह की लापरवाही कंपनी के कार्यों को कटघरे में खड़ा कर रही है।

आपको बता दें रीवा के लिए यह बड़ी उपलब्धि ही है कि शहर के चारों तरफ फोरलेन सड़क का विस्तार हो रहा है उसमें भी इस बाईपास में अत्याधुनिक सुविधाओं को भी ध्यान में रखा गया है जिसमें तमाम नई नई तकनीकियों की बारीकी रहेगी वहीं इस फोरलेन बाईपास में सडक के दोनों तरफ 7-7 मीटर की सर्विस लेन रहेगी। साथ ही दोनों तरफ ढाई-ढाई मीटर टू लेन विथ प्योव्ड सोल्डर रहेगा। इतना ही नहीं दोनों सडक़ के बीच में साढ़े 4 मीटर का मीडियन रहेगा। इस बाईपास में 19 किलोमीटर में लाइटिंग की व्यवस्था रहेगी। जहां ट्रैफिक साइन भी जगह-जगह होगा। 19 किमी के फोरलेन में 36 की संख्या में ह्यूम पाईप की कलवर्ट पुलिया भी बनेगी।

सतना पहुचें मंत्री विजयवर्गीय बोले-

सरभंगा टाइगर रिजर्व का फैसला स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर छोड़ा

गांवों की परेशानी को ध्यान में रखकर होगा निर्णय

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री और सतना जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सरभंगा अभ्यारण्य को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित टाइगर रिजर्व वाइल्ड लाइफ सेंचुरी का फैसला स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सलाह के आधार पर ही लिया जाएगा। उन्होंने साफ कहा कि, हम यहां के प्रतिनिधियों की बात मानेंगे, अगर सेंचुरी बनने से गांवों को परेशानी होगी, तो उस पर विचार करना जरूरी है। विजयवर्गीय गुरुवार को एक दिवसीय प्रवास पर सतना पहुंचे थे। पार्टी कार्यालय में उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से चर्चा की और जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर शोक संवेदना भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार इस हमले पर कठोरतम कार्रवाई कर रही है और इसका खामियाजा पाकिस्तान को भुगतना पड़ेगा।

कथा वाचक प्रदीप मिश्रा के उस बयान पर, जिसमें उन्होंने कहा था कि हिंदुओं को शास्त्र के साथ शस्त्र भी रखना चाहिए, विजयवर्गीय ने पूरी सहमति जताई। उन्होंने कहा कि शस्त्र रखने में कोई बुराई नहीं है, सरकार लाइसेंस इसलिए देती है। बशर्ते उसका दुरुपयोग न हो। संत समाज को दिशा देता है, उन्होंने जो कहा होगा, उचित ही कहा होगा।

गौरतलब है कि सतना महापौर योगेश ताम्रकार सरभंगा में टाइगर सेंचुरी की स्थापना की मांग को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दो बार पत्र लिख चुके हैं। उनका कहना है कि बाघों के संरक्षण और संवर्धन के लिए सरभंगा क्षेत्र सबसे अच्छी जगह है, यहां सेंचुरी बनना ही चाहिए। महापौर का कहना है, "यदि टाइगर स्टेट मध्यप्रदेश में ही बाघों को संरक्षण नहीं मिलेगा, तो फिर और कहां मिलेगा?" उन्होंने कहा कि मात्र कुछ लोगों को लाभ पहुंचाने सतना जिले को इस महत्वपूर्ण सौगात से वंचित करने का कोशिश निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है।

मऊगंज में 5 लोग हुए फूड प्वाइजनिंग का शिकार

3 को रीवा रेफर किया, सुबह का खाना खाया था शाम को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले में बासी खाने से एक परिवार के पांच सदस्य बीमार हो गए। नईगढ़ी विकासखंड के पथरौड़ा गांव में छेदीलाल साकेत के परिवार ने सुबह बने चावल और सब्जी को शाम को खा लिया। इसके बाद सभी की तबीयत बिगड़ने लगी और उल्टियां होने लगीं। पड़ोसियों की मदद से सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नईगढ़ी में भर्ती कराया गया। बीमार होने वालों में 45 वर्षीय सुशीला साकेत, 21 वर्षीय किशन, 16 वर्षीय अच्छेलाल, 14 वर्षीय देवकी और 12 वर्षीय शिब्बू शामिल हैं। डॉक्टरों ने जांच के बाद सुशीला, देवकी और शिब्बू की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें संजय गांधी अस्पताल रीवा रेफर कर दिया। परिवार ने बताया कि सुबह बना खाना सामान्य बर्तन में रख दिया गया था। माना जा रहा है कि भीषण गर्मी के कारण खाना विषाक्त हो गया। नवीनतम जानकारी के अनुसार, सभी मरीजों की हालत में सुधार है।

बोले- मऊगंज में टीआई ने दी थी गिरफ्तार करने की धमकी

खुद की गिरफ्तारी की मांग लेकर थाने पहुंचे मऊगंज विधायक, समर्थकों के साथ डटे रहे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल अपनी गिरफ्तारी देने गुरुवार दोपहर करीब 1.45 बजे नई गढ़ी थाने पहुंचे। उन्होंने एक आवेदन दिया, जिसमें लिखा कि नई गढ़ी थाना प्रभारी लोगों से मुझे गिरफ्तार करने की धमकी दे रहे थे। इसलिए मैं यहां अपनी गिरफ्तारी देने पहुंचा हूं। मुझे मेरे अपराध व धाराओं की जानकारी दी जाए।

विधायक मऊगंज प्रदीप पटेल अपने कुछ कार्यकर्ताओं के साथ थाने में डटे हुए हैं। थाने में मौजूद पुलिसकर्मी इस स्थिति से परेशान दिख रहे हैं। विधायक प्रदीप पटेल थाने में कई घंटे बैठे रहे और अपनी गिरफ्तारी की मांग पर अड़े थे। वे कुछ देर के लिए घर गए हैं। समर्थकों से कहकर गए हैं कि थोड़ी देर में लौटकर आऊंगा।

पत्रकारों से बातचीत में मऊगंज विधायक ने कहा- एक पत्रकार हैं, उनको यहां के थाना प्रभारी मऊगंज कलेक्टोरेट से ले आए थे। जब वे रास्ते में थे। मैंने उनसे बात करने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं हो पाई। बाद में पता चला कि थाना प्रभारी ने कहा- अगला नंबर हमारा है। कौन सा मुकदमा हमारे ऊपर है और मुझे घसीट कर क्यों लाना। मैं खुद ही गिरफ्तारी देने आ गया हूं। मैंने आवेदन दिया है।

एसआई- विधायक के बीच लंबे समय से विवाद: बता दें कि एसआई जगदीश सिंह ठाकुर और मऊगंज विधायक के बीच लंबे समय से खींचतान चल रही है। इसके पहले एसआई जगदीश सिंह ठाकुर लौर थाने में पदस्थ थे। तब विधायक ने उनके खिलाफ लव जिहाद के मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए धरना प्रदर्शन किया था। इसके बाद लौर थाना प्रभारी जगदीश सिंह ठाकुर और बीट प्रभारी फत्तेलाल को सस्पेंड कर दिया गया था। उस समय विधायक ने आरोपी को संरक्षण देने और पीड़ित परिवार से पैसों की मांग करने का आरोप लगाया था।

सतना में नशीले कफ सीरप की तस्करी करते पकड़ाया रीवा का आरोपी

होंडा सिटी कार से 345 शीशी कोरेक्स बरामद; गाड़ी भी जब्त

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना की रामपुर बघेलान पुलिस ने बुधवार रात नशीले कफ सीरप की तस्करी करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया। एडिशनल एसपी विक्रम सिंह कुशवाह के अनुसार, टीआई संदीप चतुर्वेदी को मुखबिर से सूचना मिली थी। एक तस्कर होंडा सिटी कार से नशीली कफ सीरप लेकर रीवा की तरफ जा रहा था।

सूचना के आधार पर बेला बायपास पर नाकेबंदी की गई। पुलिस ने वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान एक होंडा सिटी कार को रोका गया। कार की तलाशी में 345 शीशी कोरेक्स बरामद हुई।

पुलिस ने कार चालक इस्लामुद्दीन को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रीवा जिले के बिछिया का रहने वाला है। तस्करी में इस्तेमाल की गई कार को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

11 मामलों के आरोपी की पीट-पीटकर हत्या के मुख्य आरोपी तक पहुंची पुलिस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में 11 मामलों के आरोपी की पीट-पीटकर हत्या करने वाले आरोपियों को गिरफ्त में लिया गया है। सोमवार दोपहर इलाज के दौरान गंभीर घायल युवक की मौत हो गई थी। घटनाक्रम चोरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत अमरैया गांव का है। जहां दो पक्षों के बीच चल रहे विवाद ने इतना तूल पकड़ा की दूसरे पक्ष के लोगों ने गांव के दबंग और कई आपराधिक मामलों में आरोपी युवक विकास द्विवेदी उर्फ पिंटू परौहा को पीट-पीट कर अधमरा कर दिया था। जानकारी मिलते ही चोरहटा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। खून से लथपथ युवक को संजय गांधी अस्पताल भेजा गया,जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने इस पूरे घटनाक्रम में हत्या का मामला दर्ज करते हुए तीन से चार संदेहियों को हिरासत में लिया था। जिनसे पूछताछ की गई। पूछताछ के बाद पुलिस मुख्य आरोपी तक पहुंची। एडिशनल एसपी आरती सिंह ने बताया कि मृतक युवक विकास द्विवेदी के खिलाफ लगभग दर्जन भर मामले शहर के विभिन्न स्थानों में दर्ज हैं। झोपड़ी में आग लगाने की आशंका के आधार पर आरोपी वीरेंद्र कोरी उर्फ बबली और युवक के बीच कहां सुनी हुई और नौबत मारपीट तक पहुंच गई। जिसके बाद हत्या की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने पूरे मामले में घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित कर लिए हैं, जिनके आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

आईटीआई मऊगंज में आज युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन के निर्देशन में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मऊगंज में 25 अप्रैल को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक युवा संगम कार्यक्रम आयोजित किया गया है। युवा संगम कार्यक्रम के तहत आयोजित रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 6 कंपनियों एवं नियोजकों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों हेतु युवक एवं युवतियों की आयु सीमा 18 से 48 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते 8500 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है।

युवती से दुष्कर्म कर मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

भागने की फिराक में था युवक, बस स्टैंड से पकड़ाया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में युवक ने युवती से दुष्कर्म कर मारपीट की और डरा धमकाकर भागा। वह सेमरिया से फरार होने की फिराक में बस स्टैंड पर बैठा था पुलिस ने पकड़ लिया।

सेमरिया पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपी युवक रेहान खान ने क्षेत्र की ही एक युवती के साथ जबरन दुष्कर्म करने के बाद उसके साथ मारपीट भी की थी। इस दौरान डरी सहमी पीड़िता चीखती रही, चिल्लाती रही और मदद के लिए गुहार लगाती रही।

उसने जब आरोपी से छोड़ देने को कहा तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट भी की। आरोपी पीड़िता को डराने-धमकाने के बाद मौके से फरार हो गया।

डरी युवती थाने पहुंची: आरोपी के चंगुल से छूटने के बाद डरी-सहमी पीड़िता अपने परिजनों के साथ थाने पहुंची और पुलिस को अपनी आपबीती सुनाई। इसके बाद तुरंत हरकत में आई पुलिस ने युवक की खोजबीन शुरू की। एडिशनल एसपी आरती सिंह ने बताया कि आरोपी युवक के मोबाइल नंबर को सर्विलांस में डाल दिया जैसे ही पुलिस को आरोपी युवक की लोकेशन मिली तो अलग-अलग वाहनों से सेमरिया के बस स्टैंड पहुंचे पुलिस कर्मियों ने आरोपी युवक रेहान को हिरासत में ले लिया।

आरोपी युवक को हिरासत में लेने के बाद पुलिस थाने ले आई और उससे गहन पूछताछ की। इस दौरान आरोपी रेहान ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। इसके बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पीड़िता और युवक दोनों सेमरिया थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं।

मैहर में आधार अपडेट के लिए रात में महिलाएं सेंटर के बाहर बैठीं

बोलीं- रसूखदारों को मिल रही प्राथमिकता

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर में आधार कार्ड अपडेट कराने की प्रक्रिया में ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पोस्टऑफिस स्थित आधार सेंटर पर बुधवार की देर रात महिलाएं अपने छोटे बच्चों के साथ सेंटर खुलने का इंतजार करती दिखीं।

महिलाओं ने बताया कि वे पिछले दो दिनों से लाइन में खड़ी हैं। उनका आरोप है कि रसूख और पैसों के बल पर कुछ लोग बिना लाइन में लगे ही अपना आधार अपडेट करा ले जाते हैं। टोकन होने के बावजूद कई लोगों का नंबर नहीं आ पा रहा है। जिले के ब्लॉक स्तर के आधार सेंटरों की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। सेंटर पर शुल्क तो लिया जाता है, लेकिन समय सीमा में आधार अपडेट नहीं हो पा रहा है। इससे लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में दिक्कतें आ रही हैं। विशेषकर मुफ्त राशन योजना के लाभार्थी सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। फिंगरप्रिंट मैच न होने पर राशन नहीं मिल पा रहा है। कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी ने इस व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह कैसा डिजिटल इंडिया है, जहां महिलाओं को आधी रात में बच्चों के साथ घर से निकलना पड़ रहा है।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी एम.बी. ओझा द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित चोरहटा जिला रीवा के संचालक मंडल के सदस्यों व अन्य पदाधिकारियों को अन्य संस्थाओं में भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों के निर्वाचन हेतु सहकारी निरीक्षक विकास माठे को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है।

राष्ट्रीय पंचायत दिवस पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में राष्ट्रीय पंचायत दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। रीवा एवं मऊगंज जिले में जिला स्तर, जनपद पंचायत स्तर तथा समस्त ग्राम पंचायतों में राष्ट्रीय पंचायत दिवस से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किये गये। समारोह में प्रधानमंत्री जी के विहार में आयोजित कार्यक्रम का सीधा, प्रसारण देखा गया। जिला पंचायत रीवा में अध्यक्ष नीता कोल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में पंचायत के अधिकारों तथा जनप्रतिनिधियों की अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समन्वय से कार्य करने पर चर्चा हुई। स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन तथा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण की गतिविधियों से आमजनों को जोड़ने की बात कही गई। ग्राम पंचायत स्तर में जन सहयोग से गांव की जल संरचनाओं की साफ सफाई व सुधार के कार्य कराने पर बल दिया गया। अध्यक्ष जिला पंचायत ने अपेक्षा की कि गांवों को सशक्त व सुविधा संपन्न बनाने में सभी सहभागी बनें। संविधान के 73वें संशोधन के लागू होने से पंचायतों को संवैधानिक दर्जा मिलने से लोकतंत्र का जमीनी स्तर पर मजबूत होना पंचायतराज की सफलता है।

कार्यक्रम में गत दिनों कश्मीर में हुए हमले में मृतकों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर तथा जिला पंचायत के सदस्य एवं अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधियों को उत्कृष्ट कार्यों के लिये सम्मानित किया गया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।